हरिभूमि
सोनीपत भूमि
रोहतक, रविवार, 2 नवंबर 2025

तापमान
अधिकतम 32.5 डिग्री
न्यूनतम 15.6 डिग्री

11 जिले में रही हरियाणा दिवस की धूम, बच्चों ने बांधा समां

12 नशा मनुष्य के जीवन को करता है बर्बाद : एसीपी

खबर संक्षेप

क्रेटा में पेट्रोल भरवाकर युवक फरार, केस दर्ज

गोहाना। गांव गामड़ी स्थित पेट्रोल पंप से क्रेटा गाड़ी में सवार युवक तेल भरवाकर बिना भुगतान के फरार हो गए। गाड़ी सवार युवकों ने सेल्समैन को पेटीएम पर भुगतान का फर्जी मैसेज दिखाया। पंप के मालिक की शिकायत पर सदर थाना में केस दर्ज किया गया।

शहर में पुराना बस स्टैंड के निकट रहने वाले अनुज ने पुलिस को बताया कि उसने गोहाना-गन्नौर मार्ग स्थित गांव गामड़ी के निकट श्री राम सिंह फ्यूल के नाम से पंप लगा रखा है। पंप पर क्रेटा गाड़ी आई, जिसमें तीन युवक सवार थे। उन्होंने सेल्समैन दीपक से शुरूआत में गाड़ी में दो हजार रुपये का पेट्रोल भरने का कहा। सेल्समैन ने इतने रुपये का पेट्रोल भर दिया। इसके बाद दो हजार रुपये का और पेट्रोल भरवाया गया। कुल चार हजार रुपये का पेट्रोल भरवाया। उसके बाद भुगतान को लेकर नाटक किया। सेल्समैन को पेटीएम पर भुगतान का फर्जी मैसेज दिखाया और गाड़ी लेकर फरार हो गए।

महिला ने पति पर लगाया मारपीट का आरोप

गोहाना। सदर थाना क्षेत्र के गांव में एक महिला को उसके पति ने पड़ोसी महिलाओं के साथ मिलकर डंडों से पीटा। उसका गला भी दबाया गया। उसे नागरिक अस्पताल से मेडिकल कालेज के लिए रेफर कर दिया गया। महिला की शिकायत पर केस दर्ज किया गया। महिला ने पुलिस को बताया कि गुरुवार को उसके पति व सास ने उससे मारपीट की व जान से मारने की धमकी। शुक्रवार को वह घर के बाहर खड़ी थी और प्लाट की तरफ जाने लगी तो उसके पति, पड़ोस की एक लडक़ी और महिला ने उसका रास्ता रोक लिया। पति ने उसे डंडों से पीटा और एक महिला ने उसका गला दबाया। महिला उपचार के लिए नागरिक अस्पताल पहुंची, जहां से उसे बीपीएस राजकीय महिला मेडिकल कालेज के अस्पताल के लिए रेफर कर दिया।

सूने मकान से आभूषण और नकदी चोरी

गन्नौर। अगवानपुर रोड स्थित एक बंद मकान का ताला तोड़कर चोर लाखों रुपये के आभूषण, नकदी और सामान चोरी कर ले गए। पीड़िता ने गन्नौर थाना पुलिस को शिकायत दी है। शिकायत में अगवानपुर रोड निवासी कविता ने बताया गया कि 30 अक्टूबर को वह अपनी बेटी का पेपर दिलाने के लिए घर पर ताला लगाकर गई थीं। जब वह वापस लौटीं तो मुख्य गेट का ताला टूटा हुआ मिला। जांच करने पर पता चला कि घर से 42 हजार रुपये नकद, एक सोने की अंगूठी, चार चांदी की अंगूठियां, चार जोड़ी पायल, तीन तोले की सोने की चेन, एलईडी टीवी, दो कंबल, पांच किलो देसी घी व अन्य सामान चोरी मिला।

आपाकालीन कक्ष के मुख्य गेट के साथ लगते पार्क के पास बनेगा केंद्र

नागरिक अस्पताल में अल्ट्रासाउंड केंद्र होगा स्थानांतरित, भीड़भाड़ से मरीज थे परेशान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

जिला नागरिक अस्पताल सोनीपत में मरीजों की बढ़ती संख्या और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से अब अल्ट्रासाउंड केंद्र को नई जगह स्थानांतरित किया जा रहा है। अस्पताल प्रबंधन की ओर से इसके लिए विशेष तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। फिलहाल यह केंद्र ओपीडी नंबर 51 के हाल में संचालित है, जहां रोजाना लगभग 150 से 200 मरीजों के अल्ट्रासाउंड किए जाते हैं। भीड़भाड़ और सीमित जगह के कारण लंबे समय से मरीजों को जांच के लिए इंतजार करना पड़ता था। अब अस्पताल प्रशासन ने अल्ट्रासाउंड केंद्र को अधिक व्यवस्थित और सुविधाजनक स्थान पर स्थापित करने का निर्णय लिया है। प्रबंधन की ओर से बताया गया कि नए केंद्र में आधुनिक अल्ट्रासाउंड कैमरा (मशीन) लगाया जाएगा, जिससे जांच प्रक्रिया और अधिक सटीक एवं तेज़ होगी। साथ ही, मरीजों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए प्रतीक्षारत मरीजों के बैठने के लिए स्लैब व बेंच भी बनाए जा रहे हैं। अस्पताल प्रशासन के अनुसार, नए केंद्र के शुरू होने से मरीजों को भीड़ और असुविधा से काफी राहत मिलेगी। इसके साथ ही, अल्ट्रासाउंड जांच की गुणवत्ता में भी सुधार आएगा और रिपोर्ट समय पर उपलब्ध हो सकेगी। स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि नागरिक अस्पताल में आने वाले मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

मरीजों व गर्भवती के लिए शेड के नीचे बैंच तैयार किए जा रहे

ओपीडी में मरीजों की संख्या ज्यादा है। इमारत में कम जगह होने के चलते अल्ट्रासाउंड केंद्र को कमरा नंबर-51 से आपाकालीन कक्ष के मुख्य गेट के साथ लगते पार्क के पास स्थानांतरित किया जा रहा है। मरीजों व गर्भवती महिलाओं के लिए शेड के नीचे बैंच तैयार किए जा रहे है। ताकि किसी प्रकार की परेशानी मरीजों को न हो।
- डा. ज्योत्सना, प्रधान चिकित्सक अधिकारी

रायपुर में घर के बाहर खेल रही मासूम को वाहन ने कुचला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

जिले के रायपुर गांव में उस समय मातम छा गया जब घर के बाहर खेल रही एक साल की मासूम बच्ची को एक अज्ञात वाहन चालक ने टक्कर मार दी। हादसे में बच्ची की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, शुक्रवार दोपहर बच्ची अपने घर के बाहर खेल रही थी। इसी दौरान वहां से तेज रफ्तार में एक वाहन गुजरा और उसने बच्ची को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे के बाद चालक मौके से फरार हो गया। परिजनों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही सेक्टर-27 थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर नागरिक अस्पताल सोनीपत में पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

केस दर्ज, पुलिस ने खंगाले गांव के सीसीटीवी कैमरे

पुलिस ने बताया कि घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि वाहन और चालक की पहचान की जा सके। फिलहाल पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हादसे के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि गांव की गलियों में स्पीड ब्रेकर और ट्रैफिक नियंत्रण व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके।

स्ट्रीट डॉग का आंतक- घर के बाहर खेल रहे बच्चों पर हमला, बहने लगा खून

कुत्तों ने एक ही दिन में दो बच्चों व एक युवक को काट खाया, पीजीआई रेफर

गन्नौर। शहर इन दिनों आवारा कुत्तों के आतंक से जूझ रहा है। स्थिति इतनी भयावह हो चुकी है कि एक ही दिन में दो बच्चों पर एक युवक पर कुत्तों ने हमला कर उन्हें बुरी तरह घायल कर दिया। घायलों के परिजन जब शनिवार को उन्हें लेकर उपमंडल अस्पताल में लेकर गन्नौर पहुंचे, तो डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए तीनों को पीजीआई खानपुर रेफर कर दिया। 7 वर्षीय इजहाम, 10 वर्षीय विशाल पुत्र रामचंद्र, और 17 वर्षीय यश पुत्र सुखराम अपने घरों के आसपास खेल रहे थे, तभी अचानक आवारा कुत्तों के झुंड ने उन पर हमला कर दिया। तीनों को इतनी बुरी तरह काटा गया कि उनके शरीर के कई हिस्सों से खून बहने लगा। स्थानीय लोगों ने किसी तरह बच्चों को बचाया और तुरंत अस्पताल पहुंचाया। उपमंडल अस्पताल गन्नौर के स्टाफ के अनुसार, हर दिन कुत्तों के काटने का इलाज करवाने के लोग पहुंच रहे है। इस समय शहर में आवारा कुत्तों की संख्या अत्यधिक बढ़ गई है।

लोग बोले गलियों में घूम रहे डॉग के झुंड के झुंड

सात साल के इजहाम, दस साल के विशाल व यश को काटा

तीनों की शरीर पर गहरे घाव

डॉक्टरों ने बताया कि तीनों घायलों के घाव गहरे हैं और संक्रमण का खतरा अधिक है। उन्हें तुरंत एंटी रैबिज इंजेक्शन लगाया गया, लेकिन पूरी तरह सुरक्षित रहने के लिए उन्हें उच्च स्तरीय चिकित्सा की आवश्यकता है। इसलिए तीनों को पीजीआई खानपुर रेफर किया गया।

एंटी रैबिज वैक्सीन लगाने की व्यवस्था नहीं

लोगों का कहना है कि नगरपालिका द्वारा समय-समय पर आवारा कुत्तों को पकडने या उन्हें एंटी रैबिज वैक्सीन लगाने की कोई व्यवस्था नहीं की गई है। जबकि स्वास्थ्य विभाग और पशुपालन विभाग की ओर से यह स्पष्ट दिशा-निर्देश हैं कि शहरी क्षेत्रों में कुत्तों की नसबंदी और टीकाकरण नियमित रूप से होना चाहिए। प्रशासन को तुरंत प्रभाव से कुत्तों की पकडने की कार्रवाई शुरू करे और सभी को रैबिज-रोधी टीके लगाए जाएं।

बच्चों को अकेला खेलने न भेजे : राठी

डॉक्टर वीपी राठी ने बताया कि यदि किसी को कुत्ता काटे तो तुरंत घाव को साबुन और पानी से कम से कम 10 मिनट तक धोएं, उसके बाद तुरंत अस्पताल जाकर एंटी रैबिज इंजेक्शन लगवाएं। देरी करने पर संक्रमण जानलेवा हो सकता है। साथ ही, यह भी सुनिश्चित करें कि कुत्ते के काटने की सूचना स्वास्थ्य विभाग को दी जाए ताकि आवश्यक निगरानी की जा सके। सभी लोग स्वयं भी सतर्क रहें, बच्चों को अकेले बाहर खेलने न भेजें।

गांजा बेचने की फिराक में घूम रहे थे

नशीले पदार्थ की खेप के साथ दो युवक गिरफ्तार, केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

जिले के थाना कुंडली पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी में संलिप्त दो आरोपितों को गांजा सहित गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान गोपाल निवासी गांव रायपुर, जिला सोनीपत और राहुल निवासी खान कॉलोनी, सोनीपत के रूप में हुई है। थाना कुंडली पुलिस टीम के उपनिरीक्षक जितेंद्र अपने साथियों के साथ बारोटा-छतेहरा रोड रेलवे पुल के पास गश्त पर थे, तभी उन्हें सूचना मिली कि दो युवक मोटरसाइकिल पर गांजा लेकर शराब ठेका बारोटा के पास बेचने की फिराक में है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने तुरंत छापा मार कार्रवाई की। मौके पर संदिग्ध अवस्था में खड़े दो युवकों को काबू किया गया, जिन्होंने पूछताछ में अपने नाम गोपाल और राहुल बताए। तलाशी के दौरान गोपाल की जैकेट की जेब से एक पारदर्शी पॉलिथीन में 2.75 ग्राम गांजा, जबकि राहुल की पैंट की जेब से 1.59 ग्राम गांजा बरामद हुआ। दोनों आरोपित मादक पदार्थ के लिए कोई लाइसेंस या अनुमति नहीं दिखा सके। पुलिस ने बरामद गांजा को कब्जे में लेकर मादक द्रव्य पदार्थ निरोधक अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। मामले की जांच एएसआई संजय की टीम द्वारा की जा रही है। गिरफ्तार दोनों आरोपितों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

पुलिस ने सामान बरामद किया, अदालत ने न्यायिक हिरासत में भेजा

घर में घुसकर बाइक, मोबाइल, लैपटॉप व अन्य सामान चोरी करने का आरोपी गिरफ्तार, केस

सोनीपत। जिले की क्राइम यूनिट सेक्टर-27 सोनीपत पुलिस ने घर में घुसकर मोटरसाइकिल, मोबाइल, लैपटॉप, स्टिरियो और नकदी चोरी करने के मामले में एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान मनीष निवासी शाहपुर तुर्क, जिला सोनीपत के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, 27 अक्तूबर को राजन निवासी नई दिल्ली (हाल निवासी गांव शाहपुर तुर्क) ने थाना मुरथल में शिकायत दर्ज कराई थी कि उनके घर में चोरी हुई है। शिकायत के अनुसार, रात के समय अज्ञात व्यक्ति घर में घुसकर लैपटॉप, मोटरसाइकिल, स्टिरियो जेबीएल स्पीकर और पड़ोसी सचिन पुत्र राय सिंह के घर से एक मोबाइल फोन व 1500 रुपये नकद चोरी करके ले गया।

आरोपी की क्राइम कुंडली खंगाल रही पुलिस

इस संबंध में थाना मुरथल पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया था। मामले की जांच के दौरान क्राइम यूनिट सेक्टर-27 की टीम, मुख्य सिपाही अजय के नेतृत्व में, लगातार सुराग जुटा रही थी। तकनीकी व गोपनीय सूचना के आधार पर पुलिस ने आरोपित मनीष को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपित ने चोरी की वारदात कबूल कर ली। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर चोरीशुदा मोटरसाइकिल, मोबाइल, लैपटॉप और स्टिरियो बरामद कर लिए हैं। गिरफ्तार आरोपित को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। पुलिस का कहना है कि आरोपित के अन्य आपराधिक रिकॉर्ड की भी जांच की जा रही है।

चाकू मारकर युवक की हत्या के आरोप में दो काबू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

जिले की क्राइम यूनिट वेस्ट पुलिस ने चाकू मारकर युवक की हत्या करने के मामले में दो और आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान जतिन निवासी भठगांव (जिला सोनीपत) और दीपक निवासी बहरोड़ (राजस्थान) के रूप में हुई है। घटना के संबंध में जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि 4 अक्टूबर सत्यनारायण निवासी रिठाल, जिला रोहतक ने थाना सिविल लाइन, सोनीपत में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि उसका छोटा बेटा मंदीप रोजाना पढ़ाई के लिए गैलेक्सी कोचिंग सेंटर, सुभाष चौक जाता था। 4 अक्टूबर की दोपहर लगभग ढाई बजे सूचना मिली कि कुछ युवक, जो बाइक और कार में सवार थे, ने सारंग रोड स्थित हांडा हॉस्पिटल के सामने मंदीप पर चाकू से हमला कर दिया और फरार हो गए।

हत्याकांड के छह आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी पुलिस

घायल मंदीप को अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए थाना सिविल लाइन पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया था। जांच के दौरान सीआईए-1 की टीम, उपनिरीक्षक आजाद के नेतृत्व में, पहले ही छह आरोपितों मोनू उर्फ कैरा, देव, सागर, अंकुश, हर्ष और आकाश उर्फ हैप्पी को गिरफ्तार कर चुकी थी। अब पुलिस ने अन्य दो फरार आरोपितों जतिन और दीपक को भी गिरफ्तार कर लिया है। दोनों को न्यायालय में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। पुलिस का कहना है कि मामले में आगे की जांच जारी है।

किसी भी प्रकार के भेदभाव का विरोध

विश्व शांति व मानव कल्याण के लिए निकाली शांति यात्रा

गन्नौर। विश्व कल्याण और मानवता की भलाई के उद्देश्य से दास धर्म (लोनी) की ओर से एक भव्य शांति यात्रा का आयोजन किया गया। यह यात्रा गन्नौर के विभिन्न क्षेत्रों से होते हुए प्रजापति चौक पर पहुंची, जहां श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से शांति पाठ किया। बाबा प्रेम प्रधान के नेतृत्व में गन्नौर क्षेत्र की संगतों और दास धर्म के युवाओं ने भाग लिया। सभी ने मिलकर विश्व शांति और मानव कल्याण की मंगल कामना की। कार्यक्रम के दौरान सतगुरू महाराज दर्शन दास के उपदेशों और जीवन सिद्धांतों को स्मरण किया गया।

शांति का संदेश दिया

श्रद्धालुओं ने बताया कि महाराज ने अपने जीवन को देश प्रेम, मानवता और शांति के प्रसार के लिए समर्पित किया था। उन्होंने कट्टरवाद और भेदभाव के विरोध में अपने प्राणों की आहुति दी, जिससे उनका बलिदान सदैव प्रेरणास्रोत बना रहेगा। श्रद्धालुओं ने संकल्प लिया कि वे महाराज के आदर्शों पर चलकर समाज में भाईचारा, प्रेम का संदेश फैलाएंगे।

पुलिस आयुक्त ने किया वन स्टॉप सेंटर का दौरा

बच्चों संग समय बिताया, लौह पुरुष सरदार पटेल के जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

राष्ट्रीय एकता दिवस एवं सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर पुलिस आयुक्त सोनीपत ममता सिंह ने शनिवार शाम वन स्टॉप सेंटर, एटलस रोड का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने केंद्र में रह रहे बच्चों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना और उनके साथ समय बिताया। पुलिस आयुक्त ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रप्रेम और एकता की भावना ही देश को सशक्त बनाती है। उन्होंने सभी से वादा लिया कि वे सदैव देश की अखंडता, एकता और प्रगति के लिए समर्पित रहेंगे। उन्होंने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल का जीवन दृढ़ संकल्प, सेवा और एकजुटता का प्रतीक है, जो हमें हर कठिनाई को पार करने की प्रेरणा देता है। इस अवसर पर पुलिस उपायुक्त (पूर्वी जोन एवं मुख्यालय) प्रबीना पी., पुलिस उपायुक्त (गोहाना) भारती डबास, पुलिस उपायुक्त (क्राइम) नरेंद्र कादयान, सहायक पुलिस आयुक्त (मुख्यालय) अजीत सिंह, वन स्टॉप सेंटर की प्रभारी और अन्य पुलिसकर्मी उपस्थित रहे। पुलिस आयुक्त ने सेंटर के स्टाफ को महिलाओं और बच्चों के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाने तथा उनकी समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए तत्पर रहने के निर्देश दिए। कार्यक्रम के अंत में ममता सिंह ने सभी बच्चों और स्टाफ को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया।

सोनीपत। सेंटर पहुंचे पुलिस अधिकारी व अन्य।

मेयर ने चलाया क्लीन सिटी अभियान, लोग भी जुटे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

नगर निगम मेयर राजीव जैन ने हारे के सहारे बाबा खाटू श्याम के जन्मदिन की बधाई देते हुए कहा कि जिस तरह बाबा खाटू श्याम ने भगवान श्री कृष्ण के पार्टी पूर्ण समर्पण का भाव दिखाया उसी तरह का भाव हमारे अंदर स्वच्छता को लेकर होना चाहिए तभी पूर्ण स्वच्छता का सपना साकार हो सकेगा। राजीव जैन के नेतृत्व में प्रत्येक शनिवार को स्वच्छता अभियान के तहत शनिवार को खाटू मंदिर सोनीपत धाम के निकट पड़े कूड़े को उठवाया गया। आज का दिन एकादसी एवं खाटू श्याम का जन्मोतस्व के उपलक्ष में कालूपुर चुंगी से लेकर नई अनाज मंडी, मोहन नगर, फ्लाई ओवर तक सड़क किनारे पड़े कूड़े को उठवाया गया। उन्होंने मंदिर में आने वाले श्याम भक्तों से भी दर्शन के बाद स्वच्छता का ध्यान रखने की अपील की।

खाटू श्याम मंदिर के आसपास चलाया गया स्वच्छता अभियान

राजीव जैन ने खाटू श्याम मंदिर में आयोजित कीर्तन में भी पहुंचकर आशीर्वाद लिया और कहा कि खाटू श्याम ने धर्म का साथ देकर अपने शीश का दान देकर दुनिया के सामने भगवान के पार्टी समर्पण त्याग की मिसाल पेश की इसलिए आज उनकी चारों तरफ पूजा हो रही है। उन्होंने बाबा के चरणों में सभी के कल्याण की कामना की। मेयर जैन ने कहा की सोनीपत में खाटूश्याम मंदिर के निर्माण से आसपास के भक्तों का कल्याण हुआ है। उन्होंने कहा की भक्त निशान यात्रा में बढ़ चढ़ कर भाग ले रहे हैं और उनकी मनोकामनाएं पूर्ण हो रही हैं।

स्मॉल कैप फंड्स ने 26 फीसदी तक दिया रिटर्न

भर दी निवेशकों की झोली

स्मॉल कैप म्यूचुअल फंड्स हमेशा से हाई रिटर्न के लिए जाने जाते रहे हैं। हालांकि इनके रिटर्न पर बाजार से जुड़े उतार-चढ़ाव का असर भी पड़ता है, लेकिन आंकड़े बताते हैं कि लंबी अवधि में पॉजिटिव रिटर्न मिलने की गुंजाइश काफी अधिक रहती है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) की वेबसाइट पर जिन 13 स्मॉल कैप फंड्स के पिछले 10 साल के आंकड़े मौजूद हैं, उनमें से किसी के भी डायरेक्ट प्लान का सालाना रिटर्न (सीएजीआर) 14% से कम नहीं है। यही नहीं, इनमें से टॉप 5 स्मॉल कैप फंड्स ने लंपसम निवेश पर पिछले 10 साल में 19 से 21% फीसदी तक एनुअल रिटर्न दिया है।

एसआईपी पर भी ऊंचा रिटर्न

टॉप 5 स्मॉल कैप फंड्स ने पिछले 10 साल में लंपसम के साथ ही साथ सिस्टमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिये निवेश करने वालों को भी 19% से लेकर 26% तक एनुअलाइज्ड रिटर्न दिए हैं। इस शानदार रिटर्न की बदौलत इन फंड्स ने 1 लाख रुपये के एकमुश्त निवेश को 10 साल में 7 लाख रुपये तक बना दिया है, जबकि 10 हजार रुपये की एसआईपी से 10 साल में 47.5 लाख रुपये तक का फंड जमा हुआ है।

ये टॉप 5 स्कीम

टॉप 5 स्मॉल कैप फंड्स की लिस्ट में एचडीएफसी म्यूचुअल फंड, एसबीआई म्यूचुअल फंड, निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड, एक्सिस म्यूचुअल फंड और क्वांट म्यूचुअल फंड जैसे दिग्गज फंड हाउस की स्कीम्स शामिल हैं।

लॉन्ग टर्म इनवेस्टमेंट क्यों है बेहतर

इक्विटी म्यूचुअल फंड्स के पिछले आंकड़ों के तमाम विश्लेषण यही बताते हैं कि इनमें लंबी अवधि के लिए निवेश करना बेहतर रहता है।हाल ही में आई ऐसी ही एक रिपोर्ट के मुताबिक निफ्टी स्मॉल कैप 250 इंडेक्स का 10 साल की एसआईपी का मंथली रोलिंग रिटर्न (एक्सआरआरआर) 99% समय पॉजिटिव रहा है। यानी अगर इक्विटी में निवेश करना हो, तो लॉन्ग टर्म एसआईपी उसका बेहतर तरीका है।

- एसबीआई, एचडीएफसी समेत कई फंड्स का बेहतरीन प्रदर्शन
- 5 स्मॉल कैप फंड्स ने 7 गुना तक कर दी लंपसम की रकम
- 10 साल में एसआईपी पर 19 से 26 फीसदी तक रिटर्न दिया
- 1 लाख के लंपसम से 7 लाख तक का फंड तैयार हुआ
- इक्विटी में निवेश करना हो, तो लॉन्ग टर्म एसआईपी बेहतर तरीका

10 साल में बेस्ट रिटर्न देने वाले टॉप फंड

निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान
- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 10 साल का रिटर्न (सीएजीआर) : 21.51 %
- 1 लाख के लंपसम की 10 साल में फंड वैल्यू : 7,01,649 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 23.96 %
- 10 हजार मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 42,63,065 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.64 %

क्वांट स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान
- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 10 साल का रिटर्न (सीएजीआर) : 20.42 %
- 1 लाख के लंपसम की 10 साल में फंड वैल्यू : 6,41,189 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 25.99 %
- 10 हजार मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 47,56,696 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.71 %

एक्सिस स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान
- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 10 साल का रिटर्न (सीएजीआर) : 19.91 %
- 1 लाख के लंपसम की 10 साल में फंड वैल्यू : 6,14,545 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 22.01 %
- 10 हजार मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 38,35,386 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.57%

एचडीएफसी स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान
- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 10 साल का रिटर्न (सीएजीआर) : 19.54 %
- 1 लाख के लंपसम की 10 साल में फंड वैल्यू : 5,95,844 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 21.43 %
- 10 हजार मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 37,17,373 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.68%

एसबीआई स्मॉल कैप फंड-डायरेक्ट प्लान
- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 10 साल का रिटर्न (सीएजीआर) : 19.44 %
- 1 लाख के लंपसम की 10 साल में फंड वैल्यू : 5,90,878 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 20.13%%
- 10 हजार मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 34,65,264 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.76%

हाई रिटर्न, हाई रिस्क इनवेस्टमेंट

ऊपर दी गई सभी स्कीम समेत तमाम स्मॉल कैप फंड्स को रिस्कोमीटर पर बहुत अधिक रिस्क की रेटिंग दी जाती है। अलग-अलग मार्केट कैप पर आधारित म्यूचुअल फंड्स में भी स्मॉल कैप को मिड कैप और लार्ज कैप की तुलना में ज्यादा रिस्की माना जाता है। यानी स्मॉल कैप फंड हाई रिटर्न, हाई रिस्क इनवेस्टमेंट की कैटेगरी में आते हैं। इसके अलावा म्यूचुअल फंड्स में पिछले रिटर्न के आगे भी जारी रहने की कोई गारंटी नहीं होती। इसलिए इनमें निवेश के बारे में कोई फैसला करने से पहले अपनी रिस्क लेने की क्षमता को ध्यान में रखना चाहिए।

क्या है स्मॉल कैप फंड्स

स्मॉल कैप फंड्स एक प्रकार का म्यूचुअल फंड है जो छोटी कंपनियों के शेयरों में निवेश करता है। इन कंपनियों की मार्केट कैपिटलाइजेशन कम होती है, लेकिन इनमें उच्च विकास क्षमता होती है। स्मॉल कैप फंड्स की विशेषताएं

1. **उच्च विकास क्षमता**: स्मॉल कैप कंपनियों में उच्च विकास क्षमता होती है, जिससे इनके शेयरों की कीमतें बढ़ सकती हैं।
2. **जोखिम**: स्मॉल कैप फंड्स में जोखिम अधिक होता है, क्योंकि छोटी कंपनियों की वित्तीय स्थिति अस्थिर हो सकती है।
3. **विविधीकरण**: स्मॉल कैप फंड्स में निवेश करने से आपके पोर्टफोलियो में विविधीकरण होता है।
4. **लंबी अवधि के लिए निवेश**: स्मॉल कैप फंड्स में निवेश लंबी अवधि के लिए करना चाहिए, ताकि आप बाजार की अस्थिरता को सहन कर सकें।

स्मॉल कैप फंड्स के लाभ

1. **उच्च रिटर्न**: स्मॉल कैप फंड्स उच्च रिटर्न प्रदान कर सकते हैं।
2. **विविधीकरण**:निवेश करने से आपके पोर्टफोलियो में विविधीकरण होता है।
3. **नई कंपनियों में निवेश**: आपको नई व तेजी से बढ़ती कंपनियों में निवेश का अवसर मिलता है।

एसआईपी का दमदार प्रदर्शन

5 म्यूचुअल फंड ने दिया 20% से ज्यादा रिटर्न

279 इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में से 276 ने पॉजिटिव रिटर्न दिया

म्यूचुअल फंड में निवेश करने वालों के कमाया बढ़िया मुनाफा

बिजनेस डेस्क

पिछले एक साल में इक्विटी म्यूचुअल फंड्स ने निवेशकों को मालामाल कर दिया है। पिछले साल यानी 2024 की दिवाली से लेकर अब तक 279 इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में से 276 फंड्स ने पॉजिटिव रिटर्न दिया। यानी इनमें निवेश करने वाले निवेशकों को मुनाफा हुआ। वहीं, सिर्फ तीन फंड्स ऐसे रहे जिन्होंने निवेशकों को नुकसान पहुंचाया। सबसे खास बात यह है कि 10 ऐसे इक्विटी म्यूचुअल फंड्स हैं जिन्होंने एसआईपी यानी एक तय रकम हर महीने निवेश करने वालों को 20% से भी ज्यादा का सालाना रिटर्न दिया है। पिछली दिवाली से लेकर अब तक एक साल में कई म्यूचुअल फंड ने निवेशकों को जबरदस्त रिटर्न दिया है। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे ऐसे ही कुछ फंडों के बारे में जो आपको अच्छा मुनाफा दे सकते हैं।

ग्रो मल्टीकैप फंड

इस लिस्ट में सबसे ऊपर ग्रो मल्टीकैप फंड का नाम है। इसने एसआईपी निवेश पर सबसे ज्यादा करीब 26% रिटर्न दिया है। इसका मतलब है कि अगर आपने इस फंड में हर महीने 10,000 रुपये की एसआईपी की होती, तो पिछली दिवाली से अब तक आपके निवेश की कीमत लगभग 1.10 लाख रुपये हो जाती। यानी आपके लगाए हुए पैसों से ज्यादा का मुनाफा हुआ।

इनवेस्को इंडिया मिडकैप फंड

इनवेस्को इंडिया मिडकैप फंड ने भी निवेशकों को अच्छा रिटर्न दिया है। इसने इसी अवधि में 24.69% का शानदार दिया। मिडकैप फंड्स उन कंपनियों में निवेश करते हैं जिनका मार्केट कैप मीडियम होता है यानी वे बहुत बड़ी भी नहीं होतीं और बहुत छोटी भी नहीं।

इक्विटी म्यूचुअल फंड्स के प्रकार

- **लार्ज कैप फंड्स** : ये फंड्स बड़ी मार्केट कैपिटलाइजेशन वाली कंपनियों में निवेश करते हैं।
- **मिड कैप फंड्स** : ये फंड्स मध्यम आकार की कंपनियों में निवेश करते हैं।
- **स्मॉल कैप फंड्स** : ये फंड्स छोटी कंपनियों में निवेश करते हैं।
- **मल्टीकैप फंड्स** : ये फंड्स विभिन्न मार्केट कैपिटलाइजेशन वाली कंपनियों में निवेश करते हैं।
- **फोकस्ड फंड्स** : ये फंड्स सीमित संख्या में शेयरों में निवेश करते हैं।
- **सेक्टोरल फंड्स** : ये फंड्स विशिष्ट क्षेत्रों में निवेश करते हैं।

इक्विटी म्यूचुअल फंड्स के लाभ

- **विविधीकरण** : इक्विटी म्यूचुअल फंड्स विभिन्न शेयरों में निवेश करते हैं, जिससे जोखिम कम होता है।
- **पेशेवर प्रबंधन** : फंड मैनेजर द्वारा प्रबंधन किया जाता है, जो निवेश के निर्णय लेते हैं।
- **लिक्विडिटी** : इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में निवेश आसानी से निकाला जा सकता है।
- **कर लाभ** : इक्विटी म्यूचुअल फंड्स पर कर लाभ उपलब्ध हो सकता है।

निवेश से पहले विचार करने योग्य बातें

- **जोखिम सहनशक्ति** : इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में जोखिम होता है, इसलिए निवेश से पहले अपनी जोखिम सहनशक्ति का मूल्यांकन करें।
- **निवेश अवधि** : इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में निवेश लंबी अवधि के लिए करना चाहिए।
- **विविधीकरण** : अपने पोर्टफोलियो को विविध बनाने के लिए विभिन्न प्रकार के फंड्स में निवेश करें।

हेलिओस लार्ज एंड मिड कैप फंड

हेलिओस लार्ज एंड मिड कैप फंड और आईसीआईसीआई प्रू फ्लेक्सीकैप फंड ने भी निवेशकों को निराश नहीं किया। इन्होंने क्रमश 23.82% और 23.22% का एक्सआईआरआर दिया। फ्लेक्सीकैप फंड्स की खासियत यह होती है कि फंड मैनेजर किसी भी साइज की कंपनी में निवेश करने के लिए स्वतंत्र होते हैं, चाहे वह लार्ज-कैप हो, मिड-कैप हो या स्मॉल-कैप।

मोतीलाल ओसवाल लार्ज एंड मिडकैप फंड

मोतीलाल ओसवाल लार्ज एंड मिडकैप फंड ने 22.33% का एक्सआईआरआर दिया। इस फंड में अगर किसी ने हर महीने 10,000 रुपये की एसआईपी की होती, तो आज उसके निवेश की कीमत लगभग 1.33 लाख रुपये हो जाती। यह दिखाता है कि एसआईपी के जरिए लंबी अवधि में कैसे अच्छी खासी रकम जमा की जा सकती है।

कोटक फोकस्ड फंड

कोटक फोकस्ड फंड ने भी 22.06% का एक्सआईआरआर दर्ज किया। फोकस्ड फंड्स में फंड मैनेजर कुछ चुनिंदा स्टॉक्स में ही निवेश करते हैं, जिससे उनका फोकस बना रहता है। इनके अलावा मीरा एसेट मिडकैप फंड ने 20.55% का एक्सआईआरआर दिया। इसके बाद आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड के दो फंड्स ने भी 20% के आंकड़े को पार किया।

निवेश की ऐसे प्लानिंग करेंगे तो भविष्य में कभी नहीं होगी पैसों की टेंशन

उम्र के हिसाब से करें प्लानिंग, 20 में रिस्क 30 में बैलेंस और 40 साल में ग्रोथ जरूरी

उम्र का हर दशक अपनी अलग-अलग जिम्मेदारियां और मौके लेकर आता है

20 साल की उम्र रिस्क लेने का समय होता है, काम करने की क्षमता अधिक होती

30 साल की उम्र में बैलेंस और 40 साल की उम्र में ग्रोथ पर फोकस जरूरी होता है

अगर आप भी निवेश कर रहे हैं या अपनी निवेश यात्रा करना चाहते हैं तो अपने लक्ष्य, परिवार, इनकम और बच्चों की की स्थित को देखकर ही निवेश यात्रा शुरू करें। बेहतर प्लानिंग के साथ निवेश करेंगे तो भविष्य में आसानी होगी और आर्थिक रूप से संपन्न रहेंगे। कहते हैं उम्र का हर दशक अपनी अलग-अलग जिम्मेदारियां और मौके लेकर आता है। 20 साल की उम्र में जहां रिस्क लेने का समय होता है, काम करने की क्षमता अधिक होती है, वहीं 30 साल की उम्र में बैलेंस और 40 साल की उम्र में ग्रोथ पर फोकस जरूरी होता है। अगर आप उम्र के हिसाब से सही फाइनेंशियल प्लानिंग करते हैं, तो न सिर्फ रिटायरमेंट के लिए मजबूत फंड बना सकते हैं, बल्कि जिंदगी भर पैसों की चिंता से भी दूर रह सकते हैं। आज के वक्त में फाइनेंशियल सिक्योरिटी सिर्फ जरूरत नहीं, बल्कि एक आदत बननी चाहिए। ताकि आर्थिक रूप से परेशान न हों और भविष्य हर तरह से बढ़िया रहे। हम सब मेहनत तो करते हैं, लेकिन कमाई का सही इस्तेमाल तभी होता है जब उसके पीछे एक सटीक फाइनेंशियल प्लान हो। बहुत से लोग कहते हैं कि पैसे बचाने की शुरुआत बाद में करेंगे, लेकिन सच्चाई यह है कि जितनी जल्दी प्लानिंग शुरू करेंगे, उतना मजबूत होगा आपका फ्यूचर हर दशक अपने साथ नई जिम्मेदारियां और अवसर लेकर आता है। 20 साल की उम्र में में जहां रिस्क लेने का समय होता है, वहीं 30 साल की उम्र में में जिम्मेदारियों और इन्वेस्टमेंट में बैलेंस बनाना जरूरी होता है। साल की उम्र में आते-आते सेफ्टी और ग्रोथ पर फोकस करना समझदारी बन जाती है। अगर आप उम्र के हिसाब से फाइनेंशियल फैसले लेते हैं, तो न सिर्फ एक मजबूत रिटायरमेंट फंड बना सकते हैं, बल्कि जिंदगी भर पैसों की चिंता से आजादी भी पा सकते हैं।

बजट बनाना सीखें

अपनी कमाई और खर्च का हिसाब रखें। 80/20 का नियम अपनाएं यानी 80% खर्च और 20% बचत या निवेश। इससे आपको अपने पैसों का फ्लो समझ आएगा और आप बेवजह खर्चों को कंट्रोल कर पाएंगे।

इमरजेंसी फंड बनाएं

हर महीने के खर्च का 3 से 6 महीने तक का फंड अलग रखें। जैसे अगर आपका खर्च 25,000 रुपये महीना है, तो कम से कम 75,000-1,50,000 रुपये का इमरजेंसी फंड जरूर होना चाहिए, ताकि किसी भी परेशानी के समय यह काम आ सके और आपको किसी के मुह की ओर न देखना पड़े।

इंश्योरेंस लेना न भूलें

कम उम्र में प्रीमियम सस्ता होता है। हेल्थ और टर्म इंश्योरेंस दोनों लें, ताकि मेडिकल और लाइफ रिस्क से सुरक्षा बनी रहे। कोई भी परेशानी आने पर परिवार पर अतिरिक्त दबाव न पड़े।

जल्दी निवेश शुरू करें

कम्पाउंडिंग की ताकत का फायदा तभी मिलता है जब शुरुआत जल्दी की जाए। एसआई और पीपीएफ जैसी स्कीम में निवेश कर सकते हैं। इसमें निवेश सुरक्षित है और महंगाई को मात देना वा रिटर्न भी मिलता है।

जानकारी
बिजनेस डेस्क

30 साल की उम्र जिम्मेदारियों व निवेश में बैलेंस का समय

इस दशक में शादी, बच्चों की पढ़ाई और घर की प्लानिंग जैसी जिम्मेदारियां बढ़ जाती हैं। ऐसे में बैलेंस बनाना जरूरी हो जाता है।

फाइनेंशियल गोल्स अपडेट करें
बच्चों की पढ़ाई, घर खरीदने या रिटायरमेंट जैसे लक्ष्यों को री-इवैल्यूएट करें। हर 2 साल में अपने पोर्टफोलियो की समीक्षा करें।

एसआईपी बढ़ाते रहें
सैलरी बढ़ने के साथ हर साल अपनी एसआईपीमें 10-15% इजाफा करें. कोशिश करें कि इनकम का 30-40% निवेश में लगाएं।

एसेट एलोकेशन पर ध्यान दें
40% इक्विटी, 40% डेट और 20% गोल्ड या पीपीएफ जैसे सुरक्षित निवेश रखें। इससे रिस्क और रिटर्न में सही संतुलन बना रहेगा।

एनपीएस में निवेश करें
नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) टैक्स छूट देता है और रिटायरमेंट के लिए मजबूत फंड तैयार करता है।

कर्ज चुकाने की योजना बनाएं

अगर कोई लोन है, खासकर हाई इंटरेस्ट वाला, तो उसे पहले खत्म करें। ईएमआई के बोझ को घटाना फाइनेंशियल फ्रीडम की दिशा में बड़ा कदम है।

40 साल की उम्र: ग्रोथ और सुरक्षा पर फोकस करने का दशक
अब आपकी कमाई चरम पर होती है, लेकिन रिटायरमेंट भी ज्यादा दूर नहीं होता। इसलिए रिस्क घटाकर ग्रोथ और सुरक्षा पर फोकस करें।

रिटायरमेंट फंड का आकलन करें
महंगाई को ध्यान में रखते हुए अपने सालाना खर्च का 50 गुना फंड बनाना लक्ष्य रखें. उदाहरण के लिए, अगर आपका मासिक खर्च 50,000 रुपये है, तो रिटायरमेंट कॉर्पस करीब 3 करोड़ रुपये होना चाहिए।

रिस्क कम करें, सुरक्षा बढ़ाएं
धीरे-धीरे इक्विटी से पैसा निकालकर डेट फंड्स, बॉन्ड्स या फिक्स्ड इनकम ऑप्शंस में डालें।

इंश्योरेंस कवरेज जांचें
सुनिश्चित करें कि हेल्थ और टर्म इंश्योरेंस आज की जरूरतों के हिसाब से पर्याप्त हैं।

कर्ज मुक्त होने का लक्ष्य रखें
रिटायरमेंट से पहले घर या कार जैसे बड़े लोन पूरी तरह चुका दें। इससे आपकी भविष्य की इनकम पर बोझ नहीं पड़ेगा।

अधूरे दस्तावेज या अधूरी जानकारी के साथ निवेश की शुरुआत नहीं हो सकेगी

अभी तक कई मामलों में अकाउंट केवाईसी प्रक्रिया पूरी होने से पहले ही खुल जाता था

म्यूचुअल फंड निवेश प्रक्रिया में हो रहे हैं अहम बदलाव, निवेशकों पर क्या होगा असर

एक बार फिर म्यूचुअल फंड प्रक्रिया में बदलाव हो रहे हैं। इसका निवेशकों पर भी असर पड़ना स्वाभाविक है। इसके कुछ फायदे होंगे तो कुछ नुकसान भी निवेशकों को भुगतने पड़ सकते हैं। इसलिए जरूरी है कि आप भी निवेशक हैं या निवेश यात्रा शुरू करने जा रहे हैं तो आप अलर्ट हो जाएं और सभी दस्तावेजों को जांचके के बाद ही निवेश यात्रा शुरू करें। बताया जा रहा है कि मार्केट रेगुलेटर सेबी द्वारा एक बार फिर म्यूचुअल फंड के नियमों में रिफॉर्म का प्रपोजल लाया गया है। सेबी ने निवेशकों और एसेट मैनेजमेंट कंपनियों (एएमसी) को हो रही दिक्कतों को कम करने के लिए नए म्यूचुअल फंड फोलियो में पहली बार किए जाने वाले निवेश (पहला ट्रांजैक्शन) की प्रक्रिया को एक जैसा (स्टैंडर्ड) बनाने का प्रस्ताव दिया है। सेबी ने प्रस्ताव रखा है कि अब म्यूचुअल फंड अकाउंट केवल तब ही खोले जा सकेंगे जब निवेशक की केवाईसी प्रक्रिया पूरी तरह से सत्यापित हो जाएगी। हलांकि सेबी की तरफ से की जा रही इस कार्यवाही से निवेशकों को लाभ ही होगा और वे किसी भी तरह के फर्जीवाड़े से बच सकेंगे।

अब से पहले, म्यूचुअल फंड्स के निवेशकों को अपने निवेश के रिस्क पैरामीटर्स की जानकारी महीने के अंत में मिलती थी, यह जानकारी हर महीने के 15 दिन के भीतर उपलब्ध होगी।

निवेशकों के हितों के लिए जरूरी

असल में मार्केट रेगुलेटर सेबी द्वारा समय समय पर म्यूचुअल फंड के नियमों में कुछ न कुछ बदलाव किया जाता है, ताकि निवेशकों का हित बना रहे, साथ ही एसेट मैनेजमेंट कंपनियों को भी आसानी हो। बीते कुछ सालों में म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री का लोकप्रियता निवेशकों के बीच बहुत ज्यादा बढ़ी है। इंडस्ट्री का कुल एयूएम 75 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा हो गया है। ऐसे में सेबी समय समय पर यह ध्यान रखती है कि नियमों में कुछ बदलाव किया जाए या रिफॉर्म किया जाए। बीते कुछ महीनों में सेबी ने कुछ बदलाव या रिफॉर्म किए हैं और आगे के लिए भी कुछ प्रपोजल है। ये निवेशकों को म्यूचुअल फंड में निवेश के दौरान बड़ी राहत देने का काम करेंगे। आप भी निवेश करने जा रहे हैं अपने दस्तावेजों को साथ रख लें।

सेबी म्यूचुअल फंड के नियमों में रिफॉर्म का प्रपोजल लाया, सभी दस्तावेज देने होंगे

नए प्रपोजल के क्या हैं मायने

अब अधूरे दस्तावेज या अधूरी जानकारी के साथ निवेश की शुरुआत नहीं की जा सकेगी। अभी की बात करें तो कई मामलों में निवेशक का अकाउंट केवाईसी प्रक्रिया पूरी होने से पहले ही खुल जाता है, जिससे आगे चलकर उन्हें ट्रांजेक्शन, रिडेम्प्शन और डिविडेंड पाने में परेशानी होती है। इसी को रोकने के लिए सेबी यह नया सिस्टम लागू करने जा रहा है। नया सिस्टम लागू होने के बाद पूरी पारदर्शिता के साथ लोग निवेश कर पाएंगे और अपने निवेश को सुरक्षित भी रख सकेंगे। जब एमएसी (एसेट मैनेजमेंट कंपनी) को अकाउंट खोलने के लिए जरूरी दस्तावेज मिल जाएं और केवाईसी प्रक्रिया पूरी हो जाए, तभी नया फोलियो बनाया जाएगा। केवाईसी पूरी होने के बाद, एएमसी कंपनी इन दस्तावेजों को केवाईसी रजिस्ट्रेशन एजेंसी (केआर) को भेजेगी, जो केवाईसी की अंतिम जांच करेगी।

डिस्क्लोजर नियमों में बदलाव

एएमएफआई और सेबी ने छोटे निवेशकों की सुरक्षा के लिए डिस्क्लोजर नियमों में बदलाव किया है। निवेशकों को अपने निवेश के लिए अधिक स्पष्ट और विस्तृत जानकारी प्राप्त करने का अधिकार होगा। यह नियम निवेशकों को उनके निवेश के लिए सही और समय पर जानकारी प्राप्त करने में मदद करेगा।

कट-ऑफ टाइम में बदलाव

इस साल सेबी ने ओवरनाइट म्यूचुअल फंड स्कीम्स के लिए कट-ऑफ टाइम में बदलाव किया है। 1 जून 2025 से ऑफलाइन लेनदेन का समय दोपहर 3 बजे तक हो गया है। ऑनलाइन लेनदेन का समय शाम 7 बजे तक है। इन समयों के बाद किए गए लेनदेन अगले कारोबारी दिन प्रोसेस होंगे, जिससे एनएवी (नेट एसेट वैल्यू) बदल सकती है। बदलाव प्लेजिंग (गिरवी रखने) की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए किया गया है।

एनएफओ को लेकर क्या बदलाव

एसेट मैनेजमेंट कंपनियों को न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) से जुटाए गए पैसों को तय समय में निवेश करना होगा। अगर वे ऐसा नहीं करते, तो निवेशक बिना एग्जिट लोड दिए अपना पैसा निकाल सकते हैं। यह नियम एएमसी को जरूरत से ज्यादा पैसा जुटाने से रोकेगा और सही जगह निवेश सुनिश्चित करेगा। इसके लिए 30 दिन का समय निर्धारित है।

स्ट्रेस टेस्ट के नतीजे बताने होंगे

म्यूचुअल फंड स्कीम्स को स्ट्रेस टेस्ट के नतीजे बताने होंगे, ताकि निवेशकों को स्कीम की वित्तीय स्थिति का सही अंदाजा हो सके। एएमसी कर्मचारियों की सैलरी का कुछ हिस्सा म्यूचुअल फंड स्कीम्स में लगाया जाएगा। कितना पैसा और किन स्कीम्स में निवेश होगा, यह उनकी भूमिका पर निर्भर करेगा। इससे कर्मचारियों और निवेशकों का हित एक जैसा होगा।

खबर संक्षेप

जीआईएस एमयूएन 5.0 का दो दिवसीय सम्मेलन संपन्न

सोनीपत। गेटवे इंटरनेशनल स्कूल, सोनीपत में इम्प्लिमेंटर्स टीम, डब्ल्यूआईसीसीआई (महिला वाणिज्य एवं उद्योग मंडल), ग्लोबल शेपर्स कम्युनिटी गुरुग्राम वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम तथा यूएन एसडीएसएन के सहयोग से विद्यालय प्रशासन के सशक्त नेतृत्व में जीआईएस मॉडल यूनाइटेड नेशंस 5.0 का दो दिवसीय सम्मेलन 31 अक्टूबर 2025 को भव्य रूप से संपन्न हुआ। इस विचार विचारणा और संवाद–मंथन के महामंच का उद्देश्य युवाओं में कूटनीतिक सोच, समस्या–समाधान क्षमता, सार्वजनिक वक्तृत्व एवं वैश्विक दृष्टिकोण का विकास करना रहा।

पुण्यतिथि पर सामूहिक भोजन आयोजन

सोनीपत। सेफ इंडिया फाउंडेशन द्वारा संचालित बधिर बच्चों के विद्यालय में आज एक भावनात्मक और सेवा-भाव से ओतप्रोत कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर पुनीत जैन एवं कामिनी जैन ने अपने पुत्र की पुण्यतिथि के अवसर पर बच्चों के लिए भोजन प्रसाद का आयोजन किया। इस पुण्य अवसर पर विद्यालय के सभी छात्र-छात्राओं ने आनंदपूर्वक स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया। बच्चों के चेहरों पर मुस्कान और आत्मीय वातावरण ने पूरे परिसर को भावनात्मक बना दिया। जैन परिवार के इस मानवता और सेवा भाव से ओतप्रोत कार्य की सभी लोगों ने सराहना की। सेफ इंडिया फाउंडेशन की ओर से जैन परिवार का हार्दिक आभार व्यक्त किया गया तथा संस्था ने कहा कि ऐसे प्रेरणादायक कार्य समाज में संवेदनशीलता और सहयोग की भावना को मजबूत करते है।

सोसाइटी ने शुरू किया फिजियोथैरेपी केंद्र

सोनीपत। जनता रिलीफ सोसाइटी, सोनीपत की नव-निर्वाचित प्रबंधन समिति ने जनता चैरिटेबल अस्पताल, गुड़ मंडी परिसर में एक फिजियोथैरेपी केंद्र की स्थापना की गई है। केंद्र पूरी तरह से सोसाइटी के प्रबंधन द्वारा संचालित, प्रबंधित और नियंत्रित है तथा समाज के सभी वर्गों को चैरिटेबल आधार पर फिजियोथैरेपी सेवाएँ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से समर्पित है। सर्जरी या शारीरिक समस्याओं से जूझ रहे मरीजों के लिए आधुनिक उपकरणों और वैज्ञानिक पद्धतियों के माध्यम से उपचार की सुविधा दी जा रही है। फिजियोथैरेपिस्ट की टीम मरीजों को पुनर्वास सेवाएँ प्रदान करेगी।

ज्ञान गंगा मांटेसरी एंड मॉडल स्कूल में उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया हरियाणा दिवस

विद्यार्थियों ने हरियाणवी संस्कृति से ओतप्रोत रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति देकर बांधा समां

हरियाणा दिवस राज्य की अनूठी संस्कृति, परंपराओं और विरासत का उत्सव

नुक्कड़ नाटक में भावपूर्ण अभिनय से सभी को प्रभावित किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

ज्ञान गंगा मांटेसरी एंड मॉडल स्कूल, न्यू नंदवानी नगर में हरियाणा दिवस उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने हरियाणवी संस्कृति से ओतप्रोत रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति देकर समा बांध दिया। विद्यालय की प्राचार्या मीनाक्षी खुराना ने सभी बच्चों व शिक्षकों को हरियाणा दिवस की शुभकामनाएं दी।

उन्होंने कहा कि हरियाणा एक नवंबर 1966 को अस्तित्व में आया था। पंजाब से अलग होकर हरियाणा नया राज्य बना था। हरियाणा की संस्कृति विश्व की श्रेष्ठ संस्कृति है व इसका किसी भी देश या राज्य की संस्कृति से कोई मुकाबला नहीं हो सकता। स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में नौनिहाल हरियाणवी वेशभूषा पहनकर पहुंचे और हरियाणा की संस्कृति को दर्शाया।हमारा हरियाणा दूध-दही वाला प्रदेश है। हरियाणा ने कई शीर्ष स्तर के एथलीट दिए हैं, जिन्होंने ओलंपिक व एशियन गेम्स सहित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारत का नाम रोशन किया है। हरियाणा दिवस पर विद्यार्थियों ने कविता, भाषण, नाटक व हरियाणवी नृत्य आदि प्रस्तुति देकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया । जिया, प्रिया, मानवी, जानवी, चेतना, चैतन्या, यशिका, मन्नत, वान्या, आस्था, छवि आदि छात्राओं ने हरियाणवी समूह नृत्य की आकर्षक प्रस्तुति देकर सभी को प्रभावित किया । वहीं गरिमा, विधि, एकता, ध्रुव, यमन, नमन, तनिष्का, इशानी आदि छात्र-छात्राओं ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ विषय पर आयोजित नुक्कड़ नाटक में अपने भावपूर्ण अभिनय से सभी को प्रभावित किया। प्राथमिक कक्षाओं के नौनिहालों ने हरियाणवी संस्कृति को दर्शाते हुए विभिन्न प्रकार की झांकियों का प्रदर्शन भी किया ।

सोनीपत। प्रस्तुति देते हुए बच्चे। फोटो :हरिभूमि

सोनीपत। कार्यक्रम में पहुंचे प्रशासनिक अधिकारी व नेतागण।

ये रहे मौजूद

अध्यापिका कविता, पूनम, रोजी, मेघा, काजल, शालू, भावना, दिव्या, पूजा, नीरू, सीमा, रितिका, ज्योति, कविता मैन, कोमिला, रजनी, पारस, निशी, पिंकी, अंकिता, मोनिका ढूहन, पीटीआई पारस शर्मा, अध्यापक सतीश, वेद प्रकाश गुप्ता सहित सभी स्टाफ मौजूद रहे।

जीवीएम गर्ल्स कॉलेज में सांस्कृतिक उत्सव

सोनीपत। हरियाणा राज्य के गठन की 60वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में शनिवार को जीवीएम गर्ल्स कॉलेज में जिला स्तरीय सांस्कृतिक उत्सव का भव्य आयोजन किया गया। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली ने बतौर मुख्यातिथि दीप प्रज्ज्वलित कर सांस्कृतिक उत्सव का शुभारंभ किया। सांस्कृतिक उत्सव में विभिन्न स्कूलों की छात्राओं ने हरियाणा की समृद्ध संस्कृति, लोक परंपरा, कला एवं विरासत को दर्शाते विविध रंगारंग प्रस्तुतियां दीं। मंच पर प्रस्तुत हरियाणवी लोक नृत्य की प्रस्तुतियों ने दर्शकों को हरियाणा की मिट्टी की खुशबू से सराबोर कर दिया। 60वें हरियाणा दिवस के अवसर पर आयोजित भव्य सांस्कृतिक उत्सव में प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली ने प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि आज हरियाणा का उत्सव न केवल पूरे प्रदेश में, बल्कि पूरे देश और दुनिया में दिखाई दे रहा है। यह दिवस हमें प्रदेश के गौरव, इतिहास और उन प्रतिमाओं की याद दिलाता है जिन्होंने हरियाणा और भारत का मान-सम्मान बढ़ाया। उन्होंने कहा कि हरियाणा का किसान, सेना का जवान और खेलों में हरियाणा का खिलाड़ी हमेशा अग्रणी भूमिका निभाते हैं। हाल ही में बहरीन में आयोजित एशियन गेम्स में हरियाणा की पुरुष और महिला कबड्डी टीमों के शानदार प्रदर्शन का उल्लेख करते कहा कि पुरुष टीम में आठ और महिला टीम में चार खिलाड़ी हरियाणा के थे, जिन्होंने प्रदेश का नाम गौरवपूर्ण ढंग से रोशन किया। उपायुक्त सुशील सारवान, एसडीएम सुभाष चंद्र, सीटीए डा. अनमोल, भाजपा जिलाध्यक्ष अशोक भारद्वाज, निशांत छोक्कर, योगेश जठेडी, जिला बाल कल्याण अधिकारी आरती, जीवीएम संस्था के प्रधान ओपी पुरूथी, जीवीएम गर्ल्स कॉलेज की प्रिंसिपल डा. मंजुला सहित अनेक व्यक्ति मौजूद रहे।

सोनीपत। रक्तदाता का हौंसला बढ़ाते हुए। फोटो :हरिभूमि

हरियाणा दिवस पर 35 यूनिट रक्त एकत्रित

सोनीपत। हरियाणा दिवस के उपलक्ष्य में मां भारती जन सेवा चैरिटेबल ट्रस्ट, सोनीपत की ओर से सत्य जिंदा कल्याण हनुमान मंदिर (ओम अस्पताल के सामने) में रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर का संचालन सरकारी अस्पताल, सोनीपत की टीम ने डॉक्टर भानु शर्मा के नेतृत्व में किया। शिविर में नगर के युवाओं, समाजसेवियों और श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान कुल 35 यूनिट रक्तदान हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना और जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करना रहा। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में डा. पूर्णमल गौड़, एमएसएमई चेयरमैन संदीप पराशर, आप नेता देवेंद्र गौतम, भाजपा पार्षद महेश लूथरा और पंजाबी सभा प्रधान मोहन टुटेजा उपस्थित रहे। सभी ने रक्तदाताओं का हौसला बढ़ाया और रक्तदान को महादान बताया। ट्रस्टी प्रेम गौतम ने बताया कि ट्रस्ट भविष्य में भी ऐसे सामाजिक व स्वास्थ्य संबंधी कार्यक्रम करता रहेगा ताकि रक्त की कमी से किसी की जान न जाए। आयोजन में डॉ. ओम चौधरी, दीपक शर्मा, सुरेश कुमार और महेश सहित कई कार्यकर्ताओं ने सहयोग दिया।

रक्तदान के लिए किया प्रोत्साहित

खरखौदा। हरियाणा दिवस के अवसर पर संत शिरोमणी गुरु रविदास आश्रम, खरखौदा के साथ-साथ शहर की अन्य संस्थाओं के सामूहिक तत्वावधान में रक्तदान शिविर आयोजित किया । जिसका आयोजन योगिंद्र सिंहमार के पुत्र मयंक सिंहमार के जन्मदिन के उपलक्ष्य में किया गया। जिसमें 48 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। विधायक पवन खरखौदा ने शिविर में शिरकत कर रक्तदाताओं को प्रोत्साहित किया। रक्तदान शिविर के आयोजन को सफल बनाने में जिले सिंह सरोहा, रामफल मेहरा, महेंद्र सिंह सिंहमार, जयभगवान सरोहा (भानू), सुनील कुमार प्रधान, मनीष कुमार सिंहमार, दिनेश मेहरा, संजीव कुमार अहलावत, शक्ति ठेकेदार,गोपाल सैनी, नवीन दहिया, बिजेंद्र जांगड़ा आदि ने अहम भूमिका निभाई।

विरासत को दर्शाती रंगारंग प्रस्तुतियां दीं

गन्नौर। हरियाणा दिवस के अवसर पर शनिवार को जीवीएम गर्ल्स कॉलेज में जिला स्तरीय सांस्कृतिक उत्सव का भव्य आयोजन। कार्यक्रम का शुभारंभ भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली और गन्नौर विधायक देवेंद्र कादियान ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। मंच पर छात्राओं ने हरियाणा की लोक संस्कृति, परंपरा और विरासत को दर्शाती रंगारंग प्रस्तुतियां दीं। लोकनृत्य, रागनी और पारंपरिक गीतों की झंकार से सभागार गूंज उठा। मुख्य अतिथि प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली ने प्रदेशवासियों को हरियाणा दिवस की शुभकामनाएं दीं। कहा कि हरियाणा ने छह दशकों में शिक्षा, खेल, कृषि, उद्योग और सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। कहा, हरियाणा का किसान, खिलाड़ी और जवान हमेशा देश के गौरव को बढ़ाने में अग्रणी रहा है।

सोनीपत। विधायक का स्वागत करते उपायुक्त। फोटो :हरिभूमि

हवन यज्ञ में आहुति डालते हुए। फोटो :हरिभूमि

प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना

सोनीपत। हरियाणा दिवस के अवसर पर सोनीपत समाज पंचायत द्वारा विशेष हवन का आयोजन प्राचीन हनुमान मंदिर, कचहरी परिसर गोहाना रोड सोनीपत में किया गया। इस पावन अवसर पर बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिकों, समाजसेवियों एवं स्थानीय निवासियों ने भाग लेकर प्रदेश की शांति, समृद्धि और विकास के लिए प्रार्थना की, सोनीपत समाज पंचायत के संयोजक संजय सिंगला एवं सहसंयोजक अशोक खत्री ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हुआ। पंडितों द्वारा विधिवत हवन सम्पन्न कराया गया और उपस्थित लोगों ने आहुति देकर राज्य में खुशहाली एवं एकता की भावना को मजबूत करने का संकल्प लिया। समाज पंचायत के पदाधिकारियों ने कहा कि हरियाणा दिवस न केवल राज्य के गठन की याद दिलाता है, बल्कि यह हमें आपसी भाईचारे, सामाजिक एकजुटता और प्रगति की दिशा में कार्य करने की प्रेरणा भी देता है। अंत में प्रसाद वितरण किया गया और उपस्थित लोगों ने एक-दूसरे को हरियाणा दिवस की शुभकामनाएँ इस कार्यक्रम में, मास्टर दिलबाग, प्रधान राम सिंह, गौमुख फार्मास्युटिकल के डॉ सुरेश गोयल मौजूद रहे।

हमारी संस्कृति ही हमारे प्रदेश की विशेष पहचान

गोहाना। शनिवार को शहर में सोनीपत मार्ग स्थित भाजपा कार्यालय में हरियाणा दिवस मनाया । समारोह में कलाकारों ने हरियाणवी संस्कृति पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। मुख्य वक्ता भाजपा जिला गोहाना इकाई के महामंत्री महेंद्र चिड़ाना ने कहा कि हरियाणवी संस्कृति ही हमारे प्रदेश की विशेष पहचान है। भाजपा ने हरियाणा को विकास और सांस्कृतिक रूप से मजबूत बनाने का काम किया है। भाजपा सरकार की विकासकारी नीतियों से समाज का हर वर्ग लाभान्वित हुआ है। कार्यक्रम में गायक कलाकार सते फरमानिया ने चन्दकिरण और मीराबाई के किस्से की रागनियों की प्रस्तुति से खूब समां बांधा। डॉ. ओमप्रकाश शर्मा, बलराम कौशिक, परमवीर सैनी, डॉ. रमेश कश्यप, मुकेश रोहिल्ला, रीना शर्मा, डॉ. राममेहर राठी, राजेश भावड़, शेर सिंह बेडवाल, महावीर गुप्ता, राजू पटवा, कुलदीप कौशिक मौजूद रहे।

कार्यक्रम में प्रस्तुति देते कलाकार और उपस्थित भाजपा कार्यकर्ता।

पारंपरिक परिधान कुर्ता और दामण में समूह लोक नृत्य की प्रस्तुति देते विद्यार्थी।

दिखाई हरियाणवी संस्कृति की झलक

गोहाना। गोहाना-सोनीपत मार्ग स्थित ईश्वर इंटरनेशनल स्कूल में हरियाणा दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। समारोह में स्कूल के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से विविधता में एकता का संदेश दिया। विशेष आकर्षण का केंद्र हरियाणवी समूह लोक नृत्य रहा। विद्यार्थियों ने इस नृत्य कला के माध्यम से हरियाणवी संस्कृति की अनूठी झलक दिखलाई। कार्यक्रम के लिए मार्गदर्शन स्कूल के एमडी अनिल मलिक का रहा। कहा कि 1 नवंबर सन 1966 को पंजाब प्रांत से हरियाणा एक स्वतंत्र राज्य बना। यह दिन केवल एक राज्य के स्वतंत्र रूप से अस्तित्व में आने का नहीं है अपितु यह दिन हरियाणा की सांस्कृतिक पहचान की याद भी दिलाता है। अध्यक्षता प्राचार्या उषा कौशिक ने की। समारोह में कक्षा नर्सरी के छात्रों ने इशा एंडी म्हारा हरियाणा, एल केजी के छात्रों ने पगड़ी हरियाणा की और कक्षा दूसरी के छात्रों ने हरियाणा बदल गया थीम पर पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम में जमकर ठुमके लगाए। कक्षा पहली के छात्रों ने हरियाणा के विकास पर समूह गान व कक्षा तीसरी और चौथी के छात्रों ने हरियाणा राज्य पूरे भारत के लिए भोजन व अनाज का प्रबंध आपूर्तिकर्ता विषय पर अपनी प्रस्तुति दी।

एकल क्लासिकल नृत्य में मोतीलाल नेहरू स्कूल की दीपिका ने मारी बाजी

- ऋषिकुल विद्यापीठ में इमेजिनरिय प्रतियोगिता का किया आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

ऋषिकुल विद्यापीठ, सोनीपत में सृजनात्मक प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से "इमेजिनरियम प्रतियोगिता" का भव्य आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में पूरे हरियाणा राज्य से लगभग 250 विद्यार्थियों ने भाग लेकर अपनी रचनात्मकता और कल्पनाशक्ति का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के चेयरमैन एस के शर्मा के कर कमलों द्वारा दीप प्रज्वलन करवा कर किया। तत्पश्चात मनमोहक गणेश वंदना द्वारा वातावरण को भक्तिमय बना दिया । प्रतियोगिता के अंतर्गत सामूहिक नृत्य,एकल नृत्य, पेंटिंग प्रतियोगिता, क्ले मॉडलिंग, आर्ट एंड क्राफ्ट, स्लोगन राइटिंग, पपेट शो सहित विभिन्न रचनात्मक प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। विद्यार्थियों ने अभिनय व विचारों को रंगों, मिट्टी और कलात्मक रूपों में प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रतियोगिताएं ऑनलाइन, ऑफलाइन व रिकार्डिड विडियोज के आधार पर संचालित करवाईं गई।

ये रहे विजेता

जिनके मुख्य परिणाम इस प्रकार रहे- एकल क्लासिकल नृत्य में मोतीलाल नेहरू स्कूल की दीपिका ने प्रथम ,ऋषिकुल विद्यापीठ की प्रज्ञा अरोड़ा ने द्वितीय तथा ऋषिकुल विद्यापीठ की दिया ने तृतीय स्थान प्राप्तकिया।फ्रेस फिस्ट में अयान, सुप्रिया की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। सामुहिक नृत्य में जीन्द की मोतीलाल नेहरू स्कूल की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा ऋषिकुल विद्यापीठ सोनीपत की टीम ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। पपैट शो में ऋषित ,अंश, सक्षम की टीम प्रथम रही। एकल क्लासिकल इंस्ट्रूमेंट में विमल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया ।

खरखौदा। धरना प्रदर्शन करते खरखौदा संघर्ष समिति से जुड़े व्यक्ति।

संघर्ष समिति ने निंदा प्रस्ताव किया पारित

खरखौदा। खरखौदा संघर्ष कमेटी ने सांकेतिक धरने के तीसरे दिन का आगाज हरियाणा दिवस की शुभकामनाओं के साथ हुआ। फिर दलित नेता पहलाद सिसाना की अध्यक्षता और हंसराज राणा के संचालन में धरना प्रदर्शन शुरू हुआ और कहा गया कि किसी भी हालात में प्रस्तावित नए गोहाना जिले में शामिल नहीं होंगे। खरखौदा को प्रस्तावित गोहाना में शामिल किया जाएगा या नहीं, बार बार स्पष्टीकरण मांगने पर मुख्यमंत्री द्वारा कोई जवाब नहीं दिया गया। संघर्ष समिति ने सीएम के उदासीन रवैए पर निंदा प्रस्ताव पारित किया। इसके अलावा खरखौदा संघर्ष कमेटी ने 2 नवंबर से जनसंपर्क अभियान चलाए जाने का एलान किया और 28 नवम्बर 2025 को खरखौदा सब्जी मंडी से तहसील कार्यालय तक पैदल मार्च किए जाने का फैसला लिया, जिसमें बच्चे और महिलाएं भी शामिल होंगी।ये रहे मौजूदःराजकुमार सिसाना, रमेश सिसाना, विकेश दहिया, अनूप सिंह रोहणा, मुन्ना नंबरदार बिधलान, बलजीत फौजी खरखौदा, रोहताश नेताजी, जय किशन चोलका, जीत सिंह गोपालपुर, इंद्रजीत राणा सोहटी, राजेन्द्र, शेर सिंह पीपली , सुदामा मंडोरा, जगबीर तुर्कपुर, राकेश बरोना, धर्मवीर आदि इस मौके पर मौजूद रहे।

अधिवक्ताओं को पेशे में अनुशासन-जिम्मेदारी के साथ जनता की सेवा करने का दिया संदेश

सीवर में गोबर बहाने पर की जा रही निगरानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गन्नौर

पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के जज राजेश भारद्वाज शनिवार को गन्नौर उपमंडल न्यायालय पहुंचे। भारद्वाज की धर्मपत्नी पूनम भारद्वाज के अलावा जिला सेशन जज जगजीत सिंह, एडीजे नरेंद्र कौर, सीजेएम नेहा गोयल, गन्नौर एसडीजेएम मानसी गौड़, जेएमआईसी सागर शर्मा, गोहाना एसडीजेएम अविनाश यादव, जेएमआईसी कोमल, जेएमआईसी ज्योति, गन्नौर एसडीएम प्रवेश कादियान, एसीपी ऋषिकांत ने भी शिरकत की। सभी अतिथियों का बार एसो के अध्यक्ष गौरव त्यागी, उपाध्यक्ष विशाल चौहान, सचिव विवेक त्यागी, सहसचिव रणसिंह भारद्वाज, कोषाध्यक्ष नवीन रंगा, जयभगवान त्यागी, मुकेश कौशिक, सुशील त्यागी, आदि ने बुके भेंट कर स्वागत किया। राजेश ने कहा कि न्याय प्रणाली में अधिवक्ता की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने कहा कि कानून के क्षेत्र में पारदर्शिता, निष्ठा और संवेदनशीलता के साथ कार्य करना ही सच्ची न्याय सेवा है।

हाईकोर्ट के जज राजेश भारद्वाज पौधारोपण करते साथ में जिला सेशन जज जगजीत सिंहग एसडीजेएम मानसी गौड़, जेएमआईसी सागर शर्मा व अन्य।

प्रतियोगिता साउथ पॉइंट ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन ने बताया दिवस का महत्व

रंग-बिरंगे परिधानों में सजे छात्रों ने हरियाणवी लोकगीतों नृत्यों की शानदार प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया

- अब तक प्रदेश ने शिक्षा के साथ ही खेलों में बनाई अलग पहचान : दिलबाग सिंह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

साउथ पॉइंट वर्ल्ड स्कूल, मुरथल में शनिवार को हरियाणा दिवस उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। इस स्कूल परिसर में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जिसमें विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। रंग-बिरंगे परिधानों में सजे छात्रों ने हरियाणवी लोकगीतों और नृत्यों की शानदार प्रस्तुतियां देकर दर्शकों का मन मोह लिया।

मेहनत-लगन से प्रदेश का नाम चमकाया

हरियाणा दिवस पर अपनी प्रस्तुति देते साउथ पॉइंट वर्ल्ड स्कूल, मुरथल के विद्यार्थी।

सांस्कृतिक मूल्यों को भी आत्मसात करें

पूरे परिसर में हरियाणा एक, हरियाणवी एक का संदेश गूंजता रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि साउथ पॉइंट ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन दिलबाग सिंह खत्री ने कहा कि 1 नवंबर 1966 को हरियाणा ने एक नए राज्य के रूप में अपनी पहचान बनाई थी। आज शिक्षा, खेल और उद्योग के क्षेत्र में हरियाणा पूरे देश में अग्रणी है। राज्य के युवाओं ने मेहनत और लगन से प्रदेश का नाम ऊंचा किया है। एक्जीक्यूटिव चेयरमैन रोहित खत्री ने विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए कहा कि हमारे विद्यार्थी न केवल शिक्षा में बल्कि सांस्कृतिक गतिविधियों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। इस तरह के आयोजन बच्चों में अपनी मिट्टी और परंपराओं के प्रति गर्व की भावना जगाते है। वाइस चेयरपर्सन वर्तिका खत्री ने कहा कि हरियाणा दिवस जैसे अवसर हमारे बच्चों को अपने प्रदेश के इतिहास और संस्कृति से जोड़ते हैं। विद्यालय का उद्देश्य शिक्षा के साथ संस्कारों का भी संवर्धन करना है। सीईओ भावना कालरा ने कहा कि बच्चों की ऊर्जा और उत्साह ने कार्यक्रम को यादगार बना दिया। हमारी कोशिश है कि विद्यार्थी अकादमिक उत्कृष्टता के साथ सांस्कृतिक मूल्यों को भी आत्मसात करें।

आर्य समाज रोहणा में भक्ति और बलिदान को समर्पित भजन संध्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶ खरखौदा

हरियाणा दिवस पर आर्य समाज रोहणा में भक्ति और बलिदान को समर्पित एक भव्य भजन संध्या का आयोजन किया गया। जिसमें श्रद्धालुजन देशभक्ति और भक्ति रस में सराबोर होकर मां भारती को नमन करते नजर आए। कार्यक्रम का संचालन सुप्रसिद्ध भजन गायक सुंदर पांचाल वैदिक ने अपनी मधुर वाणी में किया। उनके द्वारा प्रस्तुत देशभक्ति भजनों ने श्रोताओं के हृदय में देशप्रेम की भावना को और प्रबल कर दिया तथा पूरा वातावरण भारत माता की जय के नारों से गूंज उठा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक पवन खरखौदा रहे। जिन्होंने आर्य समाज के आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में राष्ट्रीय एकता, संस्कार और समर्पण की भावना को सशक्त बनाते हैं।

ये रहे मौजूद

भजन संध्या में हरियाणा की शौर्यगाथा, वीरता, संस्कृति और त्याग को भजनों के माध्यम से सजीव रूप में प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर सोमवीर आर्य, कोच ओमप्रकाश दहिया, पहलवान सुनील चमरिया, प्रदीप आचार्य, वेदप्रकाश महाश्य, यशोदा, राजबीर , सुरेंद्र आर्य, शिवा, दीपक सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इस मौके पर क्षेत्र की 21 प्रतिष्ठित आर्य सभाओं ने सहभागिता दर्ज कर कार्यक्रम को भव्यता प्रदान की। कार्यक्रम में क्रांतिकारी नितीश दहिया फाउंडेशन, बार एसोसिएशन खरखौदा तथा हरियाणा ओलंपिक एसोसिएशन के उपाध्यक्ष राकेश सिंह सहित कई सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

खबर संक्षेप

चैंपियंस ऑफ चेंज कार्यक्रम का आयोजन

सोनीपत। हरियाणा दिवस के उपलक्ष्य में विद्यालय में "चैंपियंस ऑफ चेंज" नामक एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ वर्ग के छात्रों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और विभिन्न विषयों से संबंधित अपने नए-नए विचार प्रस्तुत किए। अधिकतर छात्रों ने बिज़नेस की नई रणनीतियों और नवाचारपूर्ण विचारों पर अपने दृष्टिकोण साझा किए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नीरज शर्मा तथा रीमा शर्मा उपस्थित रहे।

वेद प्रचार सप्ताह का छठा दिन संपन्न

सोनीपत। आर्य समाज मॉडल टाउन, सोनीपत में चल रहे सप्तदिवसीय दिव्य वेद आध्यात्मिक सत्संग एवं वेद प्रचार सप्ताह के छठे दिवस का आयोजन श्रद्धा और भक्ति के माहौल में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था प्रधान अर्जुन देव दुरेजा ने की, जबकि यज्ञीय अनुष्ठान का ब्रह्मत्व आचार्य वेदनिष्ठ उषर्बुध ने निभाया। इस अवसर पर आचार्य सतन देव सत्यम ने सामवेद की वेदवाणी का मधुर एवं प्रभावशाली पाठ किया।

दिव्यांग क्रिकेट टूर्नामेंट में हरियाणा ने दिल्ली टीम को हराया

दिव्यांग खिलाड़ी साबित कर रहे, हौसले से बड़ी कोई ताकत नहीं : विधायक

टूर्नामेंट में दिल्ली, हरियाणा, पंजाब और चंडीगढ़ की टीमों ने हिस्सा लेकर प्रतिभा का किया प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

गन्नौर। विधायक देवेन्द्र कादियान प्रतिभागी व विजेता टीम के साथ।

हरियाणा दिवस के अवसर पर शनिवार को एसएफसी क्रिकेट एकेडमी मुरथल में दो दिवसीय केसरी दिव्यांग टी-20 क्रिकेट कप का शुभारंभ हुआ। टूर्नामेंट में दिल्ली, हरियाणा, पंजाब और चंडीगढ़ की टीमें हिस्सा ले रही हैं। दिल्ली टीम को मन्नत ग्रुप ऑफ होटल्स ने स्पॉन्सर किया है। कार्यक्रम का शुभारंभ गन्नौर विधायक देवेंद्र कादियान ने मुख्य अतिथि के रूप में टॉस उछालकर किया। आयोजक सुनील पहलवान, दीपक अंतिल और कृष्ण मलिक ने पुष्प गुच्छ और स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका स्वागत किया। विधायक देवेंद्र कादियान ने कहा कि खेल जीवन में अनुशासन, आत्मविश्वास और एकता की भावना पैदा करता है। कादियान ने यह भी कहा कि सरकार दिव्यांग खिलाड़ियों को हर संभव सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है ताकि वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का नाम रोशन करें। इस मौके पर एसीपी अमित धनखड़, ओलंपिक मेडलिस्ट रवि दहिया, राजा पहलवान, कृष्ण बैंयापुर, सुमित मलिक, सतेंद्र मलिक (भारत केसरी) और कोच कुलदीप सहित कई नामचीन हस्तियां मौजूद रहीं। जिन्होंने दिव्यांग खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया।

अजय मैन आफ दी मैच घोषित

शनिवार को खेले गए पहले मुकाबले में हरियाणा ने दिल्ली को रोमांचक मुकाबले में मात दी। टॉस जीतकर हरियाणा ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 155 रन बनाए। अजय बिड्डू ने 9 गेंदों पर शानदार 52 रन ठोके। जवाब में दिल्ली टीम 18ओवर में 14 रन पर सिमट गई। लक्की रावत ने 2 गेंदों पर 64 रन बनाए, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके।अजय बिड्डू को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला रविवार, 2 नवम्बर को खेला जाएगा। विजेता टीम को 1 लाख 51 हजार का इनाम दिया जाएगा।

जेपी डीएवी स्कूल राष्ट्रीय कबड्डी शिविर का आयोजन

गन्नौर। डीएवी राष्ट्रीय कबड्डी शिविर के प्रतिभागी स्कूल प्रधानाचार्य सुनी शर्मा व कोच के साथ।

गन्नौर। डीएवी राष्ट्रीय कबड्डी शिविर का जंयती प्रसाद डीएवी पब्लिक स्कूल, गन्नौर में किया गया। विभिन्न जिलों के 13 से अधिक डीएवी विद्यालयों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शिविर का उद्देश्य विद्यार्थियों में कबड्डी कौशल, खेल भावना और टीमवर्क को विकसित करना था ताकि वे राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए तैयार हो सके। वातावरण जोश और उमंग से भरा हुआ था, जब युवा खिलाड़ियों ने अपने खेल कौशल, अनुशासन और खेल के प्रति जुनून का शानदार प्रदर्शन किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य सुनील शर्मा ने अपनी प्रेरणादायी बातों से खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया और उन्हें समर्पण, आत्मविश्वास तथा सच्ची टीम भावना के साथ खेलों को अपनाने का संदेश दिया। प्रधानाचार्य ने सभी सहभागी विद्यालयों और प्रशिक्षकों के प्रयासों की सराहना की। युवाओं में खेल भावना और एकता को निरंतर बढ़ावा देने के संकल्प के साथ संपन्न हुआ।

नशा मनुष्य के जीवन को करता है बर्बाद : एसीपी

सोनीपत। बच्चों के साथ एसपी जीत सिंह व अन्य।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

हरियाणा पुलिस की ओर से एसीपी जीत सिंह के नेतृत्व में ज्ञान गंगा ग्लोबल स्कूल के खेल परिसर में नशा मुक्ति को लेकर विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। एसीपी जीत सिंह ने कार्यक्रम में मौजूद विद्यार्थियों व खिलाड़ियों को नशीले पदार्थों और ड्रग्स आदि से होने वाले शारीरिक, मानसिक और सामाजिक क्षति के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नशा व्यक्ति के शरीर, परिवार और समाज तीनों का सबसे बड़ा शत्रु है। यह न केवल स्वास्थ्य को बर्बाद करता है, बल्कि युवाओं का भविष्य भी अंधकारमय कर देता है। आप सभी देश के भविष्य हैं। पढ़ाई, खेल और अपने सपनों में ध्यान लगाओ और नशे जैसी बुरी आदतों से हमेशा दूर रहो। उन्होंने इस मौके पर किशोर व युवाओं को नशा मुक्त, सुरक्षित व जागरूक समाज के निर्माण को लेकर संकल्प दिलाया। इस दौरान थाना सदर एसएचओ अशोक कुमार, एसआई अजमेर, एसआई मुकेश, एचसी रणबीर सिंह, स्कूल के खेल इंचार्ज संजीत आदि विशेष रूप से मौजूद रहे।

योग स्पर्धा में दून स्कूल के मेधावी छाए

गोहाना। जिला स्तरीय योग प्रतियोगिता में गोहाना-पानीपत मार्ग स्थित दून पब्लिक स्कूल के मेधावी विद्यार्थियों ने सराहनीय प्रदर्शन किया। शनिवार को विजेताओं को स्कूल के चेयरमैन राजेश कुमार ने सम्मानित किया। अध्यक्षता प्राचार्या ज्योति छाबड़ा ने की। 29 से 31 अक्तूबर तक जेपी जैन पब्लिक स्कूल सोनीपत में जिला स्तरीय योग प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में दून पब्लिक स्कूल के लड़कों और लड़कियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में सराहनीय प्रदर्शन के आधार पर स्कूल की छात्रा वंशिका मलिक और अनाया का राज्य स्तरीय योग प्रतियोगिता के लिए चयन कर लिया गया। शनिवार को स्कूल में हरियाणा दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी धूम रही। प्राचार्या ज्योति छाबड़ा ने कहा कि हरियाणा दिवस हमारी गौरवशाली परम्पराओं और परिश्रम की भावना का प्रतीक है।

गैस एंजेसी के कर्मचारियों व डिलवरी मैन ने निकाली जागरुकता रैली

- गन्नौर गैस एंजेसी संचालक मुकेश व जितेन्द्र दहिया ने लोगों को किया संबोधित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

सर्तकता जागरूकता को लेकर गन्नौर में गन्नौर गैस एंजेसी द्वारा जागरूकता रैली निकालकर लोगों को जागरूक किया गया। रैली में बधवार, प्रीति, श्री कृष्णा एजेंसी के भी कर्मचारियों व डिलवरी मैन ने हिस्सा लिया। रैली को रवाना करने से पूर्व लोगों को संबोधित करते हुए गन्नौर गैस एंजेसी के संचालक मुकेश शर्मा व जितेन्द्र दहिया ने कहा कि भ्रष्टाचार उन्मूलन और आम जनता में जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से रैली का आयोजन किया गया।

गन्नौर। लोगों को जागरूक करने के लिए कर्मचारी व डिलवरी मैन रैली निकालते हुए।

भ्रष्टाचार के खिलाफ लडाई की शपथ दिलाई

रैली केंद्र सरकार द्वारा 27 अक्टूबर से 2 नवंबर तक सतर्कता हमारी साझा जिम्मेदारी विषय पर मनाए जा रहे सतर्कता जागरूकता सप्ताह का हिस्सा थी। रैली से पहले कर्मचारियों व डिलवरी मैन को भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई की शपथ दिलाई गई। रैली गढ़ी केसर गैस गोदाम से शुरू होकर बाजार से होती हुई वापिस गोदाम पर आकर समाप्त हुई। कर्मचारियों ने रिश्वतखोरी के खिलाफ तख्तियाँ लेकर जोरदार नारे लगाए। जितेन्द्र दहिया ने कहा कि अभियान के तहत, नागरिकों को भ्रष्टाचार की घटनाओं की सूचना देने के लिए प्रेरित किया व विजिलेंस ब्यूरो की भूमिका के बारे में जानकारी दी। इस मौके पर अन्य गैस एंजेसी के संचालक भी मौजूद रहे।

गोहाना। किसानों को प्राकृतिक खेती करने के लिए प्रेरित करते हुए अधिकारी।

किसान प्राकृतिक खेती को अपनाएं

गोहाना। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा खंड कृषि कार्यालय मुंडलाना में प्राकृतिक खेती पर किसान गोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम में किसानों को फल, फूल और सब्जियों की प्राकृतिक खेती करने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कृषि एवं किसान कल्याण विभाग गोहाना के एसडीओ डॉ. राजेंद्र प्रसाद मेहरा ने की। बागवानी विभाग से रजत कुमार ने कहा कि रासायनिक खेती पर्यावरण, जमीन और स्वास्थ्य के लिए काफी हानिकारक है। किसान रासायनिक खेती के स्थान पर जैविक खेती अपनाएं। किसान फल, फूल और सब्जियों की प्राकृतिक खेती करके अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं। तकनीकी विशेषज्ञ डॉ. विपिन ने कहा कि किसान जीवामृत तैयार कर उसका फसलों में उपयोग कर कम खर्च में अच्छी पैदावार ले सकते हैं। गांव बरोदा के प्रगतिशील किसान संजीव मोर ने गाय के मल-मूत्र को खाद के रूप में इस्तेमाल करने की जानकारी साझा की। कार्यक्रम में बीटीएम अमित, एटीएम मुकेश, एफएम प्रवीन, रविंद्र, सुपरवाइजर अजीत और सोमबीर उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में बरोदा, बिचपड़ी, मुंडलाना, जागसी, गंगेसर और खन्दराई के किसानों ने भाग लिया।

गोहाना हलके में विकास पर खर्च होंगे 1.72 करोड़ रुपये

एचआरडीएफ योजना के तहत होंगे 11 विकास कार्य

- पहली किश्त के तौर पर पंचायत विभाग को मिले 90 .38 लाख रूपये

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

प्रदेश सरकार द्वारा गोहाना हलका क्षेत्र में विकास कार्यों के लिए 1 करोड 72 लाख 18 हजार रूपए की सौगात दी है। कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने बताया कि हरियाणा ग्रामीण विकास योजना के तहत गोहाना विधानसभा में 11 विकास कार्यों पर खर्च होने वाली राशि की पहली किश्त 90 लाख 38 हजार रुपए पंचायत विभाग को प्राप्त हो गई है। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन विकास कार्यों के लिए शीघ्र टेंडर लगाए जाएं, ताकि जल्द से जल्द लोगों को विकास कार्यों का लाभ मिल सके।

इन जगहों पर होंगे कार्य

डॉ. अरविंद शर्मा।

गांव जौली में पक्की चौपाल के निर्माण के लिए 37 लाख 54 हजार रूपए, गांव दोदवा में चौपाल के पुनर्निर्माण के लिए 22 लाख 88 हजार रूपए, गांव गढी सराय नामदार खां में गांव की फिरनी से खानपुर रोड पर जोहड व श्मशान घाट तक गली निर्माण के लिए 20 लाख 81 हजार रूपए व एससी चौपाल में शौचालय व स्नानघर निर्माण के लिए 14 लाख 24 हजार रूपए, गांव सलीमसर माजरा में फिरनी निर्माण के लिए 19 लाख 58 हजार रूपए, गांव गढी उजाले खां में बीसी चौपाल के जीर्णोद्धार के लिए 14 लाख 70 हजार रूपए व एससी चैपाल के जीर्णोद्धार के लिए 9 लाख 80 हजार रूपए, गांव वजीरपुरा में मंदिर से बरोदा रोड तक गली निर्माण के लिए 13 लाख 61 हजार रूपए, गांव जाजी में रात्रिप्रकाश व्यवस्था के लिए 10 लाख 44 हजार रूपए, गांव गुढा में सामान्य चौपाल के पुनर्निर्माण के लिए 4 लाख 93 हजार रूपए व गांव भठगांव माल्यान में हरिजन चौपाल के अधूरे काम को पूरा करवाने के लिए 3 लाख 65 हजार रूपए मंजूर किए गए हैं।

जीडी गोयंका में धूमधाम से मनाया हरियाणा दिवस

राई। जी. डी. गोयंका इंटरनेशनल स्कूल हरियाणा दिवस बड़े उत्साह और देशभक्ति के माहौल में मनाया गया। विद्यालय परिसर में शुक्रवार की शाम को आयोजित कार्यक्रम में हरियाणवी संस्कृति, लोक संगीत और परंपराओं की रंगीन छटा से सराबोर हो उठा। कार्यक्रम का शुभारंभ उपप्रधानाचार्या निधि जैन द्वारा सरस्वती वंदना के साथ हुआ। विद्यार्थियों ने हरियाणा की समृद्ध संस्कृति, लोकनृत्य, और इतिहास पर आधारित आकर्षक प्रस्तुतियाँ दीं। रागनीझूमर जैसे पारंपरिक नृत्य प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। विद्यालय के विद्यार्थियों ने हरियाणा के वीरों, किसानों और खिलाड़ियों के योगदान पर सुंदर भाषण और कविताएँ प्रस्तुत कीं। विशेष रूप से हरियाणवी बोली में कार्यक्रम का मंच संचालन करने की कला ने छात्रों में राज्य के प्रति गर्व और आत्मीयता की भावना को और प्रबल किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। विद्यार्थियों और शिक्षकों ने हरियाणा दिवस के इस अवसर पर राज्य की उन्नति और समृद्धि के लिए मिलकर योगदान देने का संकल्प लिया।

गन्नौर। हरियाणवी संस्कृति को दर्शाने वाले प्रतिभागी छात्र।

बच्चो ने चाइल्ड केयर स्कूल के रंगारंग कार्यक्रम में हरियाणवी संस्कृति को दर्शाया

गन्नौर। चाइल्ड केयर पब्लिक स्कूल अहीर माजरा गांव में बच्चो द्वारा रंगारंग द्वारा हरियाणवी संस्कृति को दर्शाया। कार्यक्रम का शुभारंभ अजय यादव ने दीप प्रजलवित कर किया। प्राइमरी विभाग के बच्चो ने हरियाणवी संस्कृति के मॉडल तैयार कर प्रदर्शनी लगाई। उच्च विभाग ने हरयाणवी गानों पर प्रस्तुति देकर दर्शकों का मन मोह लिया। सभी माता पिता ने बच्चो के द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम की प्रशंसा की।इस अवसर पर प्रबंधक पूजा यादव ने सभी अभिभावकों का आभार जताया। मंच संचालन की भूमिका तनु यादव के साथ ललिता ,कशिश,नैंसी ने किया।शिक्षिका दुबे, पूनम, उमा, रीना, रचना, करण, दीपक, मोहित, प्रिंस ने मिलकर कार्यक्रम को सफल किया।

भाजपा नेता ने आग से क्षतिग्रस्त हुई दुकान का किया निरीक्षण

गन्नौर। शिव पार्क के सामने स्थित दुकान में हाल ही में लगी आग की घटना के बाद शनिवार को भाजपा नेता देवेंद्र कौशिक ने मौके का निरीक्षण किया। उन्होंने प्रभावित दुकानदार दिनेश कुमार से मुलाकात कर उसकी समस्याओं की जानकारी ली और नुकसान की भरपाई के लिए हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। निरीक्षण के दौरान कौशिक ने कहा कि सरकार संकट की घड़ी में जनता के साथ खड़ी है और आग से प्रभावित दुकानदार को पुनः अपने व्यवसाय को शुरू करने में पूरी सहायता प्रदान की जाएगी। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देश दिए कि नुकसान का मूल्यांकन शीघ्र पूरा कर राहत सहायता उपलब्ध कराई जाए।इस अवसर पर भूषण हसीजा, रजनीश त्यागी सहित कई दुकानदार उपस्थित रहे।

रक्तदाता वास्तव में होता जीवनदाता : गहलावत

- राय मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल मे विधायक कृष्णा गहलावत ने रक्तदान शिविर का किया शुभारम्भ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राई

राई। विधायक कृष्णा गहलावत को पौधा देकर सम्मान करते एसोसिएशन जिलाध्यक्ष डा.मनोज राय।

नेशनल इंटेग्रेटिड मेडीकल एसोसिएशन द्वारा शनिवार को मुरथल के राई मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारम्भ विधायक कृष्णा गहलावत ने दीप प्रज्जवलित करके किया। शिविर में निदान अस्पताल के चिकित्सकों की टीम ने अपनी सेवाएं दी। शिविर में 91 यूनिट रक्तदान किया। नेशनल इंटेग्रेटिड मेडीकल एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष डा. मनोज राय, संयोजक डा. मनोज चौहान, सहसयोजक अरविन्द्र गौतम, उपप्रधान डा. संजय सेहरा, डा. ओपी चौधरी, विद्याभूषण चौधरी ने विधायक कृष्णा गहलावत का शिविर के शुभारम्भ पर पहुंचने पर पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। विधायक कृष्णा गहलावत ने रक्तदाताओं का हौसल्ला बढ़ाते हुए कहा िकि रक्तदान वह अमूल्य दान है, जो किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नई जिंदगी देने का सामर्थ्य रखता है। यही कारण है कि हर रक्तदाता वास्तव में एक जीवनदाता होता है। रक्तदान के प्रति समाज में जागरूकता फैलाएं।

आयोजक की सराहना की

विधायक गहलावत ने शिविर के आयोजन पर नेशनल इंटेग्रेटिड मेडीकल एसोसिएशन के प्रधान डा. मनोज राय की सराहना की। डा. मनोज राय ने कहा कि शिविर में सामाजिक समसरता का परिचय देते हुए सभी ने रक्तदान किया।

इन्होने संभाली कमान

शिविर की व्यवस्था में ट्यूलिप अस्पताल डा. दीपक शर्मा, डा. तुषार राय, डा. वीना राय, डा. तृप्ला राय ने संभाली।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर जिलाध्यक्ष अशोक भारद्वाज,भाजपा नेता मास्टर सतनारायण आंतिल, महासचिव नीरज ठरू, तरूण देवीदास, नवीन मंगला आदि मौजूद थे।

धर्म-कर्म सतगुरु माता सुदीक्षा महाराज ने फरमाया सतसंग

भक्तिभाव से गूंजा 78वां निरंकारी सन्त समागम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

गन्नौर। प्रवचन करती सतगुरु माता सुदीक्षा महाराज।

हमें अपने वास्तविक स्वरूप की पहचान करने के लिए परम अस्तित्व परमात्मा को जानना जरूरी है क्योंकि ब्रह्मबोध से ही आत्मबोध सम्भव है। सतगुरु माता सुदीक्षा महाराज ने निरंकारी आध्यात्मिक स्थल पर आयोजित चार दिवसीय 78वें वार्षिक निरंकारी सन्त समागम के पहले दिन देश-विदेश से आये हुए लाखों के श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए। देश के कोने कोने से एवं विश्व के विभिन्न भागों से अलग अलग संस्कृतियों की पृष्ठभूमि से आये भक्तों के प्रेमपूर्ण मिलन से आत्ममंथन का भाव गूंज उठा। सतगुरु माता ने आगे कहा कि संसार में विभिन्न धर्म हैं और हर किसी की अपनी अपनी आस्था है; पर हर कोई एक ही सत्य की बात कर रहा है। वास्तव में यह एक निराकार परमात्मा ही है जो सदैव रहने वाला सत्य है। यही सबका मूल स्त्रोत है। जब हम इस स्त्रोत के साथ जुड़कर एकत्व के भाव में समाहित हो जाते हैं तो फिर कोई विपरीत भाव मन में उत्पन्न नहीं होता। सतगुरु माता ने समझाया कि आत्ममंथन अथवा भीतर की यात्रा मनोवैज्ञानिक नहीं बल्कि आध्यात्मिक विषय है। हर समय निरंकार परमात्मा का अहसास रखते हुए अपनी गलतियों को स्वीकार एवं उनका सुधार करना होगा जिससे समर्पण, विनम्रता जैसे दिव्य मानवीय गुण जीवन में सहज ही उतरते चले जायेंगे। इसके पूर्व हरियाणा के माननीय राज्यपाल आशिष कुमार घोष ने अपनी अर्धांगिनी के साथ समागम में पधारकर सतगुरु माता एवं निरंकारी राजपिता से आशीर्वाद प्राप्त किए।

सेवादल रैली का आयोजन

समागम के दूसरे दिन का शुभारंभ एक भव्य सेवादल रैली से हुआ। इस आकर्षक रैली में पूरे भारतवर्ष एवं दूर देशों से आए हुए सेवादल के बहन-भाईयों ने हजारों की संख्या में भाग लिया। इस रैली में जहां शारीरिक व्यायाम, खेलों एवं विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति द्वारा निःस्वार्थ सेवा भाव अभिव्यक्त किया गया वहां मिशन की शिक्षाओं पर आधारित लघु नाटिकायें भी प्रस्तुत की गई।

खरखौदा। पत्रकारों से रूबरू सांसद दीपेंद्र हुड्डा

लाडो लक्ष्मी योजना का लाभ हर महिला को देने का भाजपा का वादा था, तो अब शर्तें क्यों : हुड्डा

खरखौदा। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि 59 वर्षों की इस गौरवशाली यात्रा में हरियाणा के सभी नागरिकों का अमूल्य योगदान है। उन्होंने कहा कि हरियाणा दिवस के अवसर पर भाजपा सरकार ने लाडो लक्ष्मी योजना लागू कर एक बार फिर प्रदेश की महिलाओं के साथ बड़ा छल किया है। बीजेपी ने अपने चुनावी घोषणा पत्र में वादा किया था कि प्रदेश की हर महिला को 2100 रुपए दिए जाएंगे, लेकिन अब यह योजना सिर्फ 5 से 7 लाख महिलाओं तक सीमित कर दी गई है। जब वादा हर महिला से किया था, तो अब शर्तें क्यों लगाई जा रही हैं। भाजपा की गारंटियाँ सिर्फ चुनाव तक चलती हैं, उसके बाद उनकी कोई वारंटी नहीं रहती। दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि बीजेपी सरकार पूरी तरह से असंवेदनशील सरकार है और इसे जनता की तकलीफों से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था हो या प्रशासनिक व्यवस्था हो अफसरशाही बेलगाम है। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा खरखौदा हलके के गांव छिनौली में किसान नेता अभिमन्यु कोहाड़ के घर और पूर्व जिला पार्षद सुनील पीपली के यहाँ सामाजिक समारोह में शिरकत करने पहुंचे थे। इस दौरान पूर्व सीपीएस जयवीर बाल्मीकि, पूर्व विधायक पदम सिंह दहिया, सुरेंद्र शर्मा, जोगेंद्र दहिया, सुरेंद्र दहिया, अजित सैनी, राम सिंह आदि मौजूद रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 8295154800, 9253681010, 9253681005

कुछ शब्दों तक सिमटी किशोर-युवाओं की बातचीत

घर, ऑफिस, कॉलेज हो या कोई पार्टी जहां कहीं भी किशोर या युवा आपस में बातचीत करते हैं, तो अधिकतर अंग्रेजी के कुछ शब्दों तक ही सिमटे रहते हैं। मातृभाषा संस्कार और क्षेत्रीयता का सोंधापन उसमें से नदारद रहता है। नई तकनीकी का हस्तक्षेप, विदेशी जीवनशैली और आधुनिकता के अंधानुकरण जैसी कई वजहें इसके लिए जिम्मेदार हैं। इससे जुड़े तमाम पहलुओं पर एक नजर।

कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम

एक जमाना था, जब संयुक्त परिवारों में रहने वाले बच्चे किशोरावस्था में ही ऐसे मुहावरे और कहावतें दोहराने लगते थे, जो आज के किशोरों के मुंह से सुनने को मिलें तो निश्चित रूप से आश्चर्य हो- जैसे कि 'नहले पे दहला' और 'सौ सुनार की एक लुहार की।' ये कहावतें या मुहावरे अभी एक-डेढ़ दशक पहले तक किशोरों के मुंह से सुनना आश्चर्य की बात नहीं होती थी। लेकिन अगर आज की बात करें तो किशोरों के पास अंग्रेजी के कुछ गिने-चुने शब्द ही होते हैं, जिन्हें वे आपसी संवाद के दौरान अकसर दोहराते रहते हैं। मसलन- 'ओके, रियली, यू नो, वाव और ट्रस्ट मी।' जैसे बमुश्किल एक दर्जन अंग्रेजी के शब्द हैं, जो विशेषकर आज के शहरी बच्चे अकसर आपस में बातचीत के दौरान दोहराते रहते हैं।

मातृभाषा से बढ़ती दूरी: आज पूरे भारत में सभी क्षेत्रों की मातृभाषाओं पर यह संकट देखने को मिल रहा है। आज चाहे दक्षिण भारत हो या उत्तर, मध्य हो या पश्चिम। शहरी क्षेत्र में कहीं भी बच्चे खासकर किशोर और युवा अपनी मातृभाषा के मुहावरों, कहावतों और लोकोक्तियों के इस्तेमाल में जरा भी सहज नहीं दिखते हैं।

आजकल के किशोर और नौजवान बात-बात में 'ब्रो', 'दैट्स', 'लिट' और 'रियली यार' जैसे अंग्रेजी के शब्द तो बार-बार दोहराते हैं, लेकिन उनकी रोजमर्रा की जुबान में खांटी मातृभाषा के शब्द ढूंढ़े नहीं मिलते। वास्तव में हमारी नई पीढ़ी की वोकेबलरी किसी भाषायी विकास की नहीं बल्कि दिनों-दिन बढ़ रही सांस्कृतिक दूरी की कहानी कहती है और यह दूरी उस समय से बढ़नी शुरू हुई है, जब हम सदियों की अपनी गुलाम मानसिकता के मनोवैज्ञानिक दबाव में अपनी मातृभाषा को अंग्रेजी के सामने दरिद्र मान लेते हैं और इसी भावना के चलते अपनी रोजमर्रा की बातचीत में टूटे-फूटे अंग्रेजी के शब्द बार-बार दोहराकर अपने को मॉडर्न दिखाने की कोशिश करते हैं।

मोबाइल की लत का असर: आजकल घरों में मां-बाप के साथ बोली जाने वाली मातृभाषा को किशोर और युवा आपस में बोलना ओल्ड फैशन समझते हैं। इसलिए वे हर जगह अंग्रेजी के कुछ शब्दों से काम चलाते रहते हैं। सोशल मीडिया ने विशेषकर मोबाइल की लत लगने के बाद इस आदत को और पक्का बना दिया है। वास्तव में सोशल मीडिया का कुछ वैश्विक प्रभाव नई पीढ़ी पर इस कदर पड़ा है कि अंग्रेजी के शब्द अपनी रोजमर्रा की बातचीत में बोलना ग्लैमर लगने लगा है। जबकि हम सब जानते हैं कि ये बहुतायत में इस्तेमाल हो रहे अंग्रेजी के टूटे-फूटे शब्द अपनी अभिव्यक्ति में किसी तरह की भावना नहीं जगाते बल्कि बस स्टाइल बनकर रह गए हैं।

भावनात्मक गहराई से बढ़ी दूरी: अभी एक-डेढ़ दशक पहले तक बातचीत में इस्तेमाल होने वाली कोई एक कहावत या कोई एक देसी मुहावरा हमारे दुखी और परेशान मन की सारी कहानी कह देता था। लेकिन आज बस 'मूड ऑफ' कह देने भर से काम चल जाता है। वास्तव में यह चेतावनी है कि अगर हम जल्दी चेते नहीं, तो हमारी मजबूत अभिव्यक्ति के देसी शब्द खो जाएंगे, तब हमें कहना ही नहीं, किसी के कहे हुए को समझना भी आसान नहीं होगा। आज सिर्फ कॉलेज, सोशल मीडिया में ही नहीं, दफ्तरों में भी लोगों के बीच अकसर अंगुलियों में गिने जाने वाले कुछ शब्दों से पूरी बातचीत कर लेने की कोशिश देखी जाती है। सबसे बड़ी बात तो यह है कि चाहे सोशल मीडिया हो, चाहे लोगों के बीच निजी संवाद हो या सार्वजनिक बतकही ही क्यों न हो? बस थोड़े से ही शब्द हमारे इर्द-गिर्द गूंजते रहते हैं। आजकल बातचीत में जरा भी ठहराव या भावनाओं की गहराई देखने को नहीं मिलती। 'टू द प्वाइंट' कहकर लोग तेजी से सतहीपन को सही ठहराने की कोशिश करते रहते हैं।

एक जमाना था, जब लोग आपस में बातचीत में रुचि लेते थे, लेकिन आज तो बस 'रिप्लाई' करते हैं। वास्तव में यह फर्क भाषा के विकास का नहीं, मातृभाषा से बढ़ी हुई दूरी का परिचायक है। आज के किशोरों और हाल में जवान हुए कितने युवाओं के मुंह से आपने 'घर की मुर्गी दाल बराबर' या 'नाच न आवे आंगन टेढ़ा' जैसे मुहावरे-लोकोक्तियां सुनी हैं? जबकि एक-डेढ़ दशक पहले युवाओं के बीच इस तरह के मुहावरे बातचीत का हिस्सा होते थे। ये शब्द या ये मुहावरे, खालिस बातचीत नहीं होते, ये हमारे बाप-दादाओं की संस्कृति को हम तक पहुंचने का जरिया होते हैं, जो अब लगातार खत्म हो रहे हैं। आज के युवा और किशोर अगर ये शब्द, शब्दावलियां, मुहावरे तथा कहावतों से दूर हैं, तो यह दूरी यहीं तक सीमित नहीं है। इनकी यह दूरी लगातार अपनी विरासत, संस्कृति और मातृभाषा से भी हो रही है। आज की पीढ़ी 'टेकन फॉर ग्रांटेड', 'कर्मा हिट्स बैक' या 'दैट्स हाउ इट वर्क्स' जैसे विदेशी वाक्य दोहराती है, जो कि निरा कोरे शब्द होते हैं। इनमें जरा भी भावनात्मक गहराई देखने को नहीं मिलती।

शॉर्टकट्स-इमोजी का बढ़ा ट्रेंड: वास्तव में मोबाइल और इंटरनेट ने संवाद को 'फास्ट फूड' में बदल दिया है। जल्दी लिखो, जल्दी भेजो, जल्दी भूलो, यही सब देखने को मिल रहा है। अब लोग 'थैंक यू' भी पूरा नहीं लिखते बल्कि 'टीएचएक्स' लिखकर काम चलना चाहते हैं। 'क्या हाल है' की जगह अब नई पीढ़ी सिर्फ 'एसयूपी' लिखकर अपने को कूल समझती है। वास्तव में नई पीढ़ी अब इस कदर शॉर्टकट की भाषा बोल रही है कि वह अपनी आधी से ज्यादा अभिव्यक्तियों को इमोजियों के हवाले कर देती है और उनके विचार तो बस स्टेटस अपडेट तक सीमित होकर रह गए हैं। यही वजह है कि आज युवा पीढ़ी में भाषा का अभ्यास और शब्दों की संवेदना दोनो का ही घोर अभाव दिखता है।

हमारे युवाओं और किशोरों की यह नई शब्दावली, परिवार और लोक-संस्कृति के छीजने का भी परिणाम है। इसलिए हमें बहुत जल्दी सचेत हो जाना चाहिए और यह दोहरा लेना चाहिए कि भाषा का पतन शब्दों का पतन नहीं, विचारों का पतन होता है। इसलिए जितना जल्दी हो, हमें अपनी संस्कृति और सभ्यता को अगर जीवंत बनाए रखना है, तो अपनी मातृभाषा को समृद्ध बनाना होगा, सिर्फ पढ़ने के मामले में ही नहीं बल्कि रोजमर्रा के संवाद में भी। *

आधुनिक जीवनशैली की आपा-धापी और आर्थिक संसाधन जुटाने की जद्दोजहद में अधिकांश युवा, अपने पैरेंट्स से दूर रहने को मजबूर रहते हैं, उनकी केयर नहीं कर पाते हैं। उनको भी इस बात का मलाल होता है। ऐसे में समझदारी इसी में है कि एक संतुलन बनाते हुए अपने बुजुर्ग पैरेंट्स की देखभाल की जाए।

जीवन की सांझ में पैरेंट्स महसूस ना करें अकेलापन

दायित्व / डॉ. मोनिका शर्मा

हाल ही में दिल्ली के एक युवक की इमोशनल पोस्ट सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुई। इस पोस्ट में लिखा गया था कि वह देर रात 3:30 बजे अस्पताल के बाहर अपनी कार में बैठा है और लगभग 36 घंटे से सोया नहीं है। उसके पिता को दिल का दौरा पड़ा है। वह हालात को संभालने की कोशिश कर रहा है। उसे यह भी अफसोस है कि वह नौकरी के कारण परिवार से दूर हो गया है। अपने माता-पिता के साथ समय नहीं बिता पाया। माता-पिता को वक्त नहीं दे पाया। एक बेटा होने में असफल रहा। युवक ने पिता को हार्ट अटैक आने के बाद दुखी मन से बाद खुद को 'नाकाम बेटा' बताया। असल में बीमारी से जूझते पिता को देख लिखी गई भावुक बातों वाली यह पोस्ट कितने ही युवाओं के लिए थोड़ा ठहरकर सोचने की बात लिए है। ये शब्द अपनों के साथ वक्त बिताने की अहमियत समझाते हैं। समय रहते अपने माता-पिता को समय देने की एक मानवीय चेतावनी सी लिए हैं।

बढ़ने लगती हैं कई चिंताएं: बच्चों की जिंदगी संवारने के लिए अपना जीवन जीना भूल जाने वाले पैरेंट्स थके शरीर और टूटते मन के इस दौर में उनका इंतजार करते रहते हैं। अकेलेपन के घेरे में आ जाते हैं। जाने कब क्या हो जाए का तनाव और सेफ्टी से जुड़ी चिंताएं उन्हें हर पल परेशान करती हैं। सेहत से जुड़ी परेशानी में बिल्कुल ही टूट जाते हैं। उलझाती मनःस्थिति वाली ऐसी बातों के चलते हालिया वर्षों में बुजुर्गों में सुसाइड का आंकड़ा भी बढ़ा है। मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी के वैज्ञानिकों के मुताबिक वृद्धावस्था में अकेलापन, बुजुर्गों की समय से पहले जान जाने का अहम कारण है। एक निश्चित उम्र के बाद इमोशनल और फिजिकल रूप से अकेलेपन को झेलना इंसान के लिए तकलीफदेह होता है। उम्रदराज लोगों के मामले में तो यह बहुत बड़ी समस्या बन गई है।

अपराधबोध तले दबता मन: यह सच है कि आज के समय में करियर बनाने और जरूरतें जुटाने में लगे युवाओं की मुश्किलें भी कम नहीं हैं। आज के कट थ्रॉट कॉम्पिटीशन में डटे रहना कुछ भी सोचने का समय नहीं देता। अपनों को भी याद करने का वक्त नहीं मिलता। इन हालातों में मन अपराधबोध का भी शिकार बनता है। नेशनल अलायंस फॉर केयर गिविंग और एएआरपी की रिपोर्ट के मुताबिक 47 प्रतिशत लोग अपने माता-पिता की चिंता में भावनात्मक रूप से टूटने लगते हैं। बड़ों के अकेले पड़ जाने की पीड़ा को बच्चों का मन भी समझता है। लेकिन काम-काजी मजबूरियों के कारण पैरेंट्स से दूर रहने वाले लोग भी जानते हैं कि उनके माता-पिता को उनकी देखभाल की जरूरत है। ऐसे में ठहराव की राह खुद ही चुननी होगी। आपा-धापी में अपने अहसासों को बचाने के लिए युवाओं को एक संतुलन तो साधना होगा।

देर ना हो जाए: अपने बुजुर्ग पैरेंट्स से जुड़े रहने के मोर्चे पर समय की टिक-टिक को सुनना भी जरूरी है। वक्त निकल जाने के बाद कुछ नहीं किया जा सकता। जिंदगी भर के लिए एक कसक मन में रह जाती है। देखा जाए तो यह एक रिश्ते को निभाने की बात भर नहीं। उम्रदराज माता-पिता की देखभाल एक मानवीय जिम्मेदारी भी है। सो दूर बैठे केवल महंगे मोल वाली चीजें भेजकर मन को तसल्ली देने के रास्ते ना निकालें। ना भूलें, जीवन की सांझ में अपने बच्चों के इमोशनल सपोर्ट की बुजुर्ग अभिभावकों को सबसे ज्यादा जरूरत होती है। इसलिए जितना अधिक संभव हो, उनके साथ वक्त गुजारें, उनका ध्यान रखें। *

आत्मचिंतन / रश्मि वैभव गर्ग

अपनी बात और भावनाएं दूसरों तक पहुंचाने के लिए शब्दों की जरूरत पड़ती है। लेकिन शब्दों से भी गहन अभिव्यक्ति मौन की होती है। मौन से हमें अंतस की भी सहज अनुभूति हो जाती है।

आत्मानुभूति का द्वार मौन

अभिव्यक्ति का सहज माध्यम हैं- शब्द। लेखन हो या जीवन शब्दों से ही अभिव्यक्त होता है। शब्दों की यात्रा ही, जीवन को गतिशील बनाए रखती है। शब्द न होते तो हम मौन को भी परिभाषित नहीं कर पाते। शब्दों की ध्वनि ही जीवन को गुंजायमान रखती है। शब्दों का अर्थ के साथ, लहजा भी हमारे भावों को दर्शाता है। वास्तव में अभिव्यक्ति के दो ही माध्यम हैं। एक तो शब्द, दूसरा भाव। शब्दों का संसार तो विस्तृत है ही, लेकिन शब्दों से परे भी एक दुनिया होती है, वो है मौन। मौन, वो भी व्यक्त कर देता है, जो शब्द भी व्यक्त नहीं कर पाते हैं।

अव्यक्त को करता है व्यक्त: मौन एक साधना है। इसके विविध रूप हैं। मौन कभी शब्दों का विराम है तो कभी भावों की गहन अभिव्यक्ति है। कभी मौन रोष अभिव्यक्त करता है, तो कभी अगाध प्रेम की अभिव्यक्ति। मौन कभी शब्दों की विवशता भी प्रकट करता है। कभी-कभी शब्द हमारी अनुभूति को व्यक्त ही नहीं कर पाते, उसे मौन व्यक्त कर देता है। शब्द, भावों की गूंज है तो मौन भावों की मूक अभिव्यक्ति है। किसी ने क्या खूब कहा है कि स्पीच इज सिल्वर, साइलेंस इज गोल्ड। सचमुच बोलना चांदी के समान है तो चुप रहना स्वर्ण के तुल्य। कभी ऐसा भी होता कि हम कुछ बोलना चाहते हैं, लेकिन किसी कारणवश बोल नहीं पाते हैं, फिर सोचते हैं कि न बोलना ही श्रेयष्कर रहा।

आत्मसंयम का परिचायक: मौन, अभिव्यक्ति का श्रेष्ठतम माध्यम है। बशर्ते कोई समझने वाला हो। सामाजिक जीवन में संवादरहित अभिव्यक्ति एक गहरा प्रभाव छोड़ती है। चुप रहना भी एक विजय है। अपने शब्दों को विराम देना एक आत्मसंयम है। इस आत्मसंयम को आत्मसात करना हमारी जीत है। बाहरी मौन का संयम रखते हुए, आंतरिक मौन साधना को पाना जीवन दर्शन है। बाहरी मौन जीवन का आनंद है, आंतरिक मौन आत्मा का आनंद है। शब्दों का मौन लौकिक रंग है, आंतरिक मौन, आलौकिक रंग है। आंतरिक मौन यानी सब इच्छाओं की समाप्ति। जो अत्यंत दुष्कर है, लेकिन दुरूह नहीं। आंतरिक मौन जीवन को पूर्ण कर देता है। उतना ही पूर्ण जितना ईश्वर। तृष्णाओं की समाप्ति ही ईश्वर से मिलने का द्वार खोलती है। स्वयं से साक्षात्कार ही ईश्वर से मिलना है, वो तब ही संभव है, जब हम बाहरी व्यक्ति और वस्तुओं को विराम दें, और आंतरिक मौन को धारण करें।

मिलता है आलौकिक आनंद: हर इंसान के अंदर आध्यात्मिक अनुभूति होती है। जैसे पानी में कंकड़ फेंकते हैं तो लहर उठती है, वैसे ही हर आत्मा में अध्यात्म की चेतना होती है, क्योंकि चेतन का स्वभाव ही आत्मतत्व की खोज है। जिसका क्षणिक आभास हम जब-तब करते रहते हैं, लेकिन जब यह आत्मतत्व चिरस्थाई हो जाता है, तो असल आनंद प्राप्त होता है। बाहरी क्रियाएं विचलित करती हैं। आंतरिक मौन, लोक में रहकर आलौकिक सुख प्रदान करता है। स्वयं से स्वयं को ढूंढ़ना ही आंतरिक मौन है। वही ईश्वर से साक्षात्कार है। आत्मा में ही परमात्मा का वास होता है। आंतरिक मौन सृष्टि का अनहद नाद है, जिसे सिर्फ महसूस किया जा सकता है।

संसार में रहकर संसार से विरक्ति सबसे कठिन कार्य है। आसक्तियां ही सांसारिक कार्यों को फलीभूत करवाती हैं। जीवन का द्वैत ही यही है कि यदि अध्यात्म को अपनाते हैं तो कर्तव्यों से विमुख हो जाते हैं और कर्तव्यों का निर्वाह, बिना आसक्तियों के होता ही नहीं। इसी झंझावात में जीवन-यापन हो जाता है। वास्तविकता यही है कि हम दो दुनिया में जीते हैं। बाहरी दुनिया जो कर्मशील दुनिया है, जहां हम अपना किरदार निभाने के लिए बाध्य हैं। वो हमें थोड़ी आसक्ति भी देती है। आसक्त होना लाजिमी भी है, क्योंकि वही हमें कर्मशील बनाता है। दूसरी दुनिया है आत्मा का आनंद, जिसे हम स्वयं के भीतर अनुभव कर सकते हैं। ये हमारी अपनी खोज है, अपनी पूंजी है। इसे हम ही प्राप्त कर सकते हैं और इसे कोई हमसे छीन भी नहीं सकता। बाहरी क्रियाकलापों का विराम ही आंतरिक मौन है। बाहर कितना ही शोर हो यदि आंतरिक शांति है तो आप हर जगह विजयी होंगे। कहने का सार यही है कि अपने जीवन की सांसारिक यात्रा के विभिन्न पड़ावों को पूरा करते हुए भी अंतिम ध्येय अंतस का मौन ही होना चाहिए। *

दोहे / घमंडीलाल अग्रवाल

सूनी-सी दहलीज

सूना घर का आंगना, सूनी-सी दहलीज।
भूख, गरीबी बो चुकी, घर गरीब के बीज।।
जैसे को तैसा मिले, हो हमलावर पस्त।
वह भी फिर आश्वस्त-सा, हम भी फिर आश्वस्त।।
बदल रही है जिंदगी, बदल रहा है दौर।
निसदिन नई चुनौतियां, हर पल करिए गौर।।
पांव कुल्हाड़ी मार ली, गए संभलना भूल।
गड्ढा आया सामने, काहे गिरे फिजूल।।
गीता, रामायण पढ़ी, बांचे वेद, कुरान।
हो न सका इंसान तो, एक अदद इंसान।।
भरी भीड़ में हम हुए, बहुत अकेले आज।
अपनेपन का बांधते, किसके सिर पर ताज।।
यदि कुपात्र को धन दिया, धन होगा बेकार।
ज्यादा खाकर वस्तुएं, जैसे तन बीमार।।
वाटर एटीएम लगे, सूखे सारे कूप।
परिवर्तन का मोहरा, खड़ा बदलकर रूप।।
फिसला करती हाथ से, पाई कोई चीज।
होते हैं संसार में, ऐसे कुछ नाचीज।।
भले विवेकानंद हों, अथवा गौतम बुद्ध।
कर्तव्यों से ही लड़े, अधिकारों के युद्ध।।

छोटी कहानी
सविता गोयल

तृप्ति

जहां आर्थिक रूप से कमजोर बड़े बेटे कमल ने कैंसर से पीड़ित पिता के इलाज में कोई कसर नहीं छोड़ी, वहीं छोटे बेटे विमल ने अपनी जिम्मेदारी से मुंह मोड़े रखा। पिता के देहांत के बाद उनकी तेरहवीं में विमल ने जैसा दिखावा चाहा, वह अपमानजनक था। एक मर्मस्पर्शी कथा।

यह क्या भैया! ना आपने सारे नाते-रिश्तेदारों को न्यौता दिया और ना ही भोज का आयोजन सही तरीके से किया। समाज में क्या इज्जत रह जाएगी हमारी! अरे पैसे कम पड़ रहे थे तो एक बार बोल दिया होता हमसे। मैं ही कुछ इंतजाम कर देता। पापा की तेरहवीं पर मेरे ससुरजी भी आने वाले हैं। वो क्या सोचेंगे, उनके दामाद ने अपने पिता की तेरहवीं भी ढंग से नहीं की। आप सबको तो पता ही है, वो कितने बड़े आदमी हैं। मेरी क्या इज्जत रह जाएगी उनके सामने?' कमल का छोटा भाई विमल अपनी ही रौब में बोलता जा रहा था।

मनोहरजी को गुजरे आज ग्यारह दिन हो गए थे। पिछले दो साल से वह बहुत पीड़ा में थे। कैंसर की बीमारी में एक-एक दिन सालों की तरह गुजर रहे थे। उनका बड़ा बेटा कमल और बहू मीना ने अपने पिता की सेवा और इलाज में अपनी तरफ से कोई कसर नहीं छोड़ी। किराने की दुकान में कोई ज्यादा कमाई नहीं थी, लेकिन जितना बन पड़ा, उसमें उन्होंने कभी अपना हाथ पीछे नहीं खींचा।

कमल अपने माता-पिता के साथ ही रहता था। छोटा बेटा विमल जब से पढ़-लिखकर इंजीनियर बनकर शहर में बसा, कभी पलट कर वह घर नहीं आया। नौकरी अच्छी थी तो बड़े घर की लड़की का रिश्ता भी आ गया था। अब तो विमल के और भी पंख लग गए थे।

पिता की बीमारी का पता होने के बाद भी कभी उसने उनके इलाज और देखभाल में बड़े भाई का हाथ नहीं बंटाया। एक बार कांता देवी ने विमल से कहा भी, 'बेटा, कमल का हाथ थोड़ा तंग रहता है, ऊपर से तेरे पिताजी की बीमारी पर बहुत पैसा खर्च हो रहा है। तुम थोड़ी मदद कर दोगे तो उसे थोड़ी राहत मिलेगी।'

इस पर विमल का जवाब था, 'मां, आपको क्या पता, मेरी कमाई से ज्यादा तो मेरा खर्च है। आप लोग तो यहां पुश्तैनी मकान में रहते हैं, लेकिन मुझे तो हर महीने फ्लैट का किराया भी देना पड़ता है। आगे मेरा परिवार भी बढ़ रहा है तो खर्चे भी बढ़ रहे हैं फिर इस बीमारी का क्या पता ठीक हो ना हो! बेकार में लुटने-पिटने से क्या फायदा?'

बेटे के मुंह से ऐसा सुनकर कांताजी ने कभी दोबारा उसे किसी प्रकार की मदद के लिए नहीं कहा। मनोहरजी बच तो नहीं पाए, लेकिन अपने बड़े बेटे-बहू के सेवाभाव को देखकर उनके हृदय में हमेशा उनके लिए आशीर्वाद के भाव रहते। कांता देवी पति की मृत्यु से आहत थीं, ऊपर से आज मनोहरजी की तेरहवीं पर आए विमल के मुंह से ये सब सुनकर उन्हें बहुत बुरा लग रहा था। अपने बड़े बेटे को असमंजस में देख उन्होंने समझाया, 'कमल, तुझे किसी की बातों में आकर अपनी हैसियत से बाहर कुछ करने की जरूरत नहीं है। तूने अपने पिता के जीते जी उनकी जो जी-जान से सेवा की है, वो उसी से तृप्त हो गए हैं। ये ऊपरी दिखावा और कर्मकांड उनके लिए अब कोई मायने नहीं रखता। तू जितना कर रहा है, वह बहुत है। तेरे पिताजी की आत्मा तो तेरी सेवा से ही तृप्त हो गई है बेटा। बस पांच ब्राह्मणों को भोजन करा दे और अपने पिता का तर्पण कर दे।' फिर कांता देवी अपने छोटे बेटे विमल के मुखातिब होते हुए बोलीं, 'आज तुझे यहां सारे कामों में जो कमी नजर आ रही है, वह उस समय क्यों नजर नहीं आई, जब तेरे पिताजी बीमारी से तड़प रहे थे और तेरा यह भाई तंगी से जूझते हुए भी रोज उन्हें लेकर अस्पताल के चक्कर लगा रहा था। उसे अपने दिन का चैन और रातों की नींद की भी परवाह नहीं थी। उस समय तो तेरे मुंह से एक बार भी नहीं निकला कि भैया, पिताजी के इलाज में मैं कुछ मदद कर दूं। उस वक्त तुझे यहां कोई कमी नजर नहीं आई? बेटा तू अपने पैसे अपने पास रख, पता नहीं कब तुझे इनकी जरूरत पड़ जाए। मां हूं, इसलिए कभी अपने दिल और जुबान से तेरा बुरा नहीं सोचूंगी, लेकिन बेटा जब तेरे बच्चे अपनी जिम्मेदारियों से मुंह मोड़ेंगे तब तुझे अपने मां-बाप का दर्द समझ में आएगा।'

यह सुनकर विमल का सिर झुक गया। उसे अपनी मां और भाई से नजरें मिलाने की हिम्मत भी नहीं हो रही थी। कमल ने अपने सामर्थ्य अनुसार अपने पिता का तर्पण और भोज कराया।

कांता देवी के चेहरे पर आज संतुष्टि के भाव थे। उन्हें विश्वास था कि उनके पति तृप्त होकर इस दुनिया से विदा हुए हैं। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

देश की स्वर्णाभा नरेंद्र मोदी

आजादी के बाद देश के विकास और इसे सशक्त बनाने में भारत के सभी प्रधानमंत्रियों की भूमिका रही है। इसी क्रम में वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अब तक के अपने कार्यकाल में कई महत्वपूर्ण और अभूतपूर्व कार्य किए हैं और इस दिशा में निरंतर प्रयासरत भी हैं। फिर वो चाहे विश्व में भारतवर्ष की प्रतिष्ठा बढ़ाने की बात हो, कश्मीर से धारा 370 हटाने का ऐतिहासिक कदम हो, कोरोना काल का मजबूती से सामना करना रहा हो, महिलाओं और गरीबों के सशक्तिकरण के लिए किए गए प्रयास हों या आतंकी गतिविधियों का मुंहतोड़ जवाब देना हो। इस पुस्तक में उनके ऐसे तमाम प्रयासों की विस्तार से चर्चा की गई है। इसमें लेखक ने नरेंद्र मोदी के व्यक्तित्व के कई पहलुओं को भी उजागर किया है। *

पुस्तक: भारतवर्ष की स्वर्णाभा नरेंद्र मोदी,
लेखक: प्रोफेसर (डॉक्टर) रमेश चंद्र तोमर,
मूल्य: 600 रुपए, **प्रकाशक:** प्रभात प्रकाशन, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

इंडियन पैसिफिक एक्सप्रेस

जैसा कि नाम से ही जाहिर है, यह ट्रेन आपको दुनिया की सबसे यादगार ट्रेन यात्रा के रूप में दो महासागरों को पार करवाती है। सिडनी से पर्थ तक का 4352 किमी. लंबा यह रेल मार्ग आपको अनूठे लोक की यात्रा का अनुभव देता है। विशाल ऑस्ट्रेलिया महाद्वीप को पार करते हुए आप यहां के दिलकश नजारे देखेंगे तो मानो हिप्नोटाइज हो जाएंगे। कई जगह तो आपको वन्य जीवन की झांकी भी देखने को मिलेगी। इस ट्रेन में यात्रियों के लिए कई क्लास के कोच हैं, जैसे गोल्ड सर्विस के तहत स्लीपर केबिन। आर रेड सर्विस के तहत डे नाइटर सीट। स्लीपर केबिन में आप तमाम सुविधाओं से सुसज्जित सिंगल या ट्विन स्लीपर केबिन ले सकते हैं और स्वादिष्ट ऑस्ट्रेलियन भोजन का लुत्फ उठा सकते हैं। जबकि आर रेड सर्विस के तहत डेनाइटर सीट दी जाएगी, जिस पर सोने की सुविधा भले ही न हो पर आपको आरामदायक तरीके से बैठने की सुविधा जरूर मिलती है। यहां पर्याप्त लेगस्पेस है, कोहनी टिकाने के लिए आरामदायक हत्थे हैं, वीडियो देखने की सुविधा है। इन डिब्बों में भी स्नैक्स, कॉफी, लंच, डिनर सब कुछ उपलब्ध कराया जाता है। k

रोचक
शिखर चंद जैन

रेल यात्राएं तो आपने भी जरूर की होंगी। लेकिन देश-दुनिया में कुछ रेलगाड़ियां ऐसी हैं, जो हजारों किलोमीटर की यात्रा करती हैं। दुनिया की सबसे लंबी दूरियां तय करने वाली इन रेलगाड़ियों से यात्रा का अनुभव बेहद अनोखा और मजेदार होता है। इनमें से कुछ लंबी रेल यात्राओं पर एक नजर।

सबसे लंबी दूरी तय करने वाली अनोखी-शानदार रेल गाड़ियां

ट्रांस-साइबेरियन एक्सप्रेस

दुनिया की सबसे लंबी दूरी तय करने वाली यात्री ट्रेन है, ट्रांस साइबेरियन एक्सप्रेस। मॉस्को से व्लाडीवोस्टक तक फैली 9288 किमी. की पटरियों पर सरपट दौड़ती यह ट्रेन आपको वाकई एक यादगार यात्रा का अनुभव देती है। 77 किमी. प्रतिघंटे की रफ्तार से दौड़ने वाली इस ट्रेन में बिताए करीब 146 घंटे (करीब 6 दिन) आप शायद ही अपनी जिंदगी में कभी भुला पाएं, क्योंकि इन 6 दिनों में आप कभी पहाड़ों के बीच से गुजरेंगे, तो कभी हरी घास से भरे मैदानों से, कभी यह ट्रेन आपको रेगिस्तान के दृश्य दिखाएगी, तो कभी हरे भरे बियाबान जंगल के बीच से ले जाएगी। k

झिंगू हाइ स्पीड रेल

आज की तारीख में अगर लंबी दूरी तय करने वाली सबसे तीव्र गति वाली यात्री रेगलाड़ी का जिक्र होता है, तो उनमें झिंगू हाइ स्पीड रेल सबसे ऊपर है। यह ट्रेन बीजिंग से शंघाई की 1303 किमी. की यात्रा मात्र 5 घंटे में तय कर लेती है। इसकी गति 300 किमी. प्रतिघंटे तक हो सकती है। k

भारत की सबसे लंबी रेल यात्रा

भारत की सबसे लंबी रेल यात्रा विवेक एक्सप्रेस तय करती है। यह 9 राज्यों से होकर गुजरती है। यह असम के डिब्रूगढ़ से तमिलनाडु के प्रसिद्ध स्थल कन्याकुमारी तक चलती है। यह रेलमार्ग लगभग 4,273 किलोमीटर लंबा है। इस सफर को तय करने में लगभग 80 घंटे लगते हैं। इस ट्रेन का नाम स्वामी विवेकानंद के नाम पर रखा गया है। अपने इस सफर में यह ट्रेन लगभग 55 स्टेशनों पर रुकती है। k

द ब्लू ट्रेन

दक्षिण अफ्रीका की मशहूर ब्लू ट्रेन प्रीटोरिया से केपटाउन के बीच 1600 किमी. की यात्रा तय करती है। सच कहें, तो यह ट्रेन पटरी पर दौड़ने वाले किसी होटल की मानिंद है। इसमें कई सूट्स भी हैं, जहां होटल जैसी सुविधाएं मौजूद हैं। यात्रा बहुत लंबी नहीं है। करीब 27 घंटे की इस यात्रा के दौरान अफ्रीका के तस्वीर सरीखे कुदरती दृश्य आपका मन मोह लेंगे। इस ट्रेन की गति कोई खास नहीं, मात्र 57 किमी. प्रति घंटे है, क्योंकि इसे होटल रूम सरीखे डिब्बों को जरा नजाकत से ही चलाना पड़ता है और यात्रियों की सुख-सुविधा का खयाल भी रखना पड़ता है। k

द कनाडियन ट्रेन

टोरंटो से वैंकुवर की यात्रा करवाने वाली यह ट्रेन जर्नी आपको 83 घंटे तक सैर कराती है। इस दौरान यह ट्रेन आपको कनाडा के विभिन्न मनोहर दृश्यों से भरी 4466 किमी. दूरी का अवलोकन करवाती है। ट्रेन की गति पहाड़ों की चढ़ाई में कभी मंद पड़ जाती है, तो हरे-भरे चित्ताकर्षक जंगलों से गुजरने के दौरान तेज भी हो जाती है। इस ट्रेन में कांच से बनी बड़ी-बड़ी खिड़कियों से तरह-तरह के दृश्यों को देखना वाकई रिलैक्सिंग और पीसफुल एक्सपीरियंस देता है। k

चाइना यूरोप ब्लॉक ट्रेन

द चाइना यूरोप ब्लॉक ट्रेन, दुनिया की सबसे लंबी दूरी तय करने वाली ट्रेन है। यह यीबू से मैड्रिड तक की 9977 किमी. की यात्रा करीब 21 दिनों में तय करती है। लेकिन यह कोई यात्री ट्रेन नहीं बल्कि मालगाड़ी है। k

अमल करने से ही बनेगी बात

स्मार्टफोन के स्क्रीन से हर पल प्रेरणादायक विचारों की बौछार होती रहती है। लोग इसमें रुचि भी खूब लेते हैं। लेकिन अगर आप स्वयं में सकारात्मक बदलाव देखना चाहते हैं तो सिर्फ मोटिवेशनल कंटेंट देखना नहीं, उस पर अमल भी करना होगा।

सेल्फ मोटिवेशन / चैतन्या

इन दिनों सोशल मीडिया पर भी मोटिवेशनल वीडियो की भरमार है। ज्ञान फैलाने के लिए बाकायदा एप्स बने हुए हैं। मन-मस्तिष्क को मोटिवेशन देने वाले शब्द लिखित हों या मौखिक, किसी ना किसी रूप में हर पल सामने आते रहते हैं। जीवन को साधने वाले इस कंटेंट को यूजर्स द्वारा खूब देखा-सुना भी जाता है। बावजूद इसके व्यावहारिक धरातल पर जनमानस में इसका असर नहीं दिखता। आंतरिक या बाहरी शक्ति जगाने को सुने गए विचार आत्मसात नहीं किए जा रहे हैं। इनसे प्रेरणा पाकर जन-जीवन में बदलाव लाने के भावों को बल नहीं मिल रहा।

ज्ञान को जीवन में उतारना: भगवान दत्तात्रेय ने सिखाया है कि सच्चा ज्ञान कहीं से भी, कभी-भी प्राप्त किया जा सकता है, बस व्यक्ति की दृष्टि पवित्र और समझदार होनी चाहिए। उन्होंने स्वयं भी प्रकृति के तत्वों, पशुओं और विभिन्न व्यक्तियों, गुरुओं के रूप में ज्ञान प्राप्त किया। पृथ्वी से सहनशीलता, वायु से अनासक्ति और बालक से खुशी का ज्ञान लिया। भगवान दत्तात्रेय का यह सिद्धांत यही बताता है कि ज्ञान का कोई तयशुदा स्त्रोत नहीं होता। जिज्ञासु और विवेकशील इंसान अपने परिवेश के कण-कण से कोई सीख ले सकता है। हर घटना, हर प्राणी और प्रकृति के हर तत्व से जीवन के गूढ़ रहस्यों को सीख सकता है। असल में यूं ही जीवन से जुड़े विभिन्न स्त्रोतों से ज्ञान लेना भी चाहिए। परीक्षा तो इन पढ़े, जाने, सुने गए पाठों को जीवन में उतारने के मोर्चे पर होती है। सोशल मीडिया में दिखते मोटिवेशनल कंटेंट को व्यक्ति स्क्रीन स्क्रॉल करते ही भुला देता है। इनमें वह गुरुत्व शक्ति नहीं होती, जो गुणीजनों के सान्निध्य में मिलती है। तभी तो आत्म जागरुकता लाने वाले उद्धरण भी जानकारी, सूचना या कोई समाचार भर बनकर रह जाते हैं।

गुणीजनों का जीवन ही प्रेरणा: हमारे यहां सदा से ही ज्ञानी-गुणीजन जीवन संवारने के उपदेश देते रहे हैं। संसार को दिशा देने वाला ग्रंथ गीता भी श्रीकृष्ण के उपदेश ही लिए है। विचारणीय यह है कि गुणीजनों के विचार ही नहीं उनका जीवन भी प्रेरणादायी रहा है। जिसके चलते आमजन में उनकी कही बातों को आत्मसात करने का भाव रहा। उनके दिखाए मार्ग पर चलने की प्रतिबद्धता रही। अच्छे विचारों को व्यक्तिगत ही नहीं, सामाजिक-पारिवारिक परिवेश में भी जिंदगी का हिस्सा बनाने का प्रयास रहा। इसकी वजह यह है कि गुरु बोलते भर नहीं, स्वयं अपनी जीवन पद्धति भी बदलते हैं। कहा भी जाता है कि सच्चा गुरु केवल ज्ञान या उपदेश देकर नहीं, बल्कि अपने आचरण और जीवनशैली से शिष्यों के जीवन को दिशा और प्रेरणा देते हैं। स्पष्ट है कि इसी के चलते सिद्ध पुरुषों के विचार ही जीवन में फलित होते हैं। सोशल मीडिया पर तैरते मोटिवेशनल आख्यानों में प्रेरणा देने की बातें भर हैं। इन बातों को कहने-समझाने वालों का अपना जीवन लोगों को प्रभावित करने वाला नहीं है। इतना ही नहीं शेयर कर आगे बढ़ाने की तकनीकी सहूलियत से हर कोई यह ज्ञान किसी दूसरे व्यक्ति तक तो पहुंचा रहा है पर अपने कर्मों में नहीं उतार रहा। बहुत से इंफ्लुएंसर तो प्रेरणादायी शब्दों को अपनी मार्केटिंग माध्यम बना चुके हैं। वहीं आत्म-विकास हो या आंतरिक शांति गुरुओं का जीवन ही सहज ढंग से व्यक्ति को नैतिक मार्गदर्शन देता है। जीवन को संवारने की सच्ची शिक्षा ही नहीं मिलती, उन उपदेशों से मन को साधने में भी मदद मिलती है।

मोटिवेशनल वीडियो देखने की वजह: जिंदगी में मौजूद किसी भी समस्या से पार पाने, अपने लक्ष्य तक जाने या मन को शांत सहज रखने के लिए मोटिवेशनल वीडियो खूब देखे जा रहे हैं। जबकि असल जीवन में प्रेरणादायी बातों से मनःस्थिति बदलने की प्रतिबद्धता नहीं दिखती। बावजूद इसके सोशल मीडिया प्रेरक सामग्री से अटा पड़ा है। असल में इसके पीछे आनंद के सिद्धांत और डोपामाइन हार्मोन को बढ़ाने की प्रणाली एक अहम कारण है। ऐसा कंटेंट देखने से व्यक्ति को त्वरित संतुष्टि और एक भावनात्मक सहारा मिलता है।

अमल करना सबसे जरूरी: निःसंदेह, जीवन से जुड़ी चुनौतियों का सामना करने और लक्ष्यों को पाने के लिए आगे बढ़ने हेतु सही कार्य योजना जरूरी है। वर्चुअल स्क्रीन में झांकते रहने के बजाय वास्तविक जीवन में नियमित समय और ऊर्जा लगाकर ही अपने आप में बदलाव लाया जा सकता है। आध्यात्मिक उन्नति की जा सकती है। व्यक्तिगत जीवन के हर पक्ष पर संवर्धन किया जा सकता है। k

शर्ट-जैकेट्स, शर्ट और जैकेट का कॉम्बो होता है। इन दोनों की खूबियां मिलकर शर्ट-जैकेट्स बनाती हैं। इस सीजन में इनका ट्रेंड यंगस्टर्स में काफी बढ़ रहा है।

इन हल्की सर्दियों में युवाओं को भा रहीं शर्ट-जैकेट्स

फैशन ट्रेंड
प्रतिमा अरोड़ा

शर्ट-जैकेट्स या जिसे फैशन की भाषा में शैकेट्स भी कहा जाता है, इस साल की हल्की सर्दियों में युवाओं की पहली पसंद बनी हुई हैं। ना सिर्फ स्टाइल के कारण बल्कि इनके आरामदायक, वर्सटिलिटी और मॉडर्न लुक की वजह से भी ऐसा हुआ है।

क्या होती है शर्ट जैकेट: शर्ट-जैकेट्स, दिखती तो शर्ट जैसी हैं, लेकिन इनका फैब्रिक मोटा होता है और ये हल्की सर्दियों में गर्माहट देकर जैकेट का भी काम करती हैं। इसलिए इन्हें शर्ट-जैकेट्स कहा जाता है। इन्हें पहनने के लिए जरूरी नहीं है कि मौसम बहुत ठंडा ही हो। अगर हल्की हवा चल रही हो तो भी इन्हें आराम से पहना जा सकता है।

इनकी खासियतें: शर्ट-जैकेट्स ट्विल, डेनिम, वूलेन फ्लैनल, कॉटन ब्लेंड या कॉर्डराय से बनती हैं। इनकी डिजाइन बेहद आकर्षक होती है, जिनमें आगे बटन, दो या चार पॉकेट और किसी में खड़ी तो कई में गिरी कॉलर होती हैं यानी दिखने में ये बिल्कुल शर्ट जैसी लगती हैं, लेकिन शर्ट के मुकाबले थोड़ी मोटी होती हैं। हालांकि इनका वजन कड़ाके की सर्दियों में पहनी जाने वाली जैकेट्स के मुकाबले काफी कम होता है। फिर भी ये शर्ट के मुकाबले वजनदार होती हैं। ट्रांजिशन वेदर यानी जब न तो ज्यादा सर्दी होती है और न ज्यादा गर्मी, कहने का मतलब पूरी तरह से बारिश के बाद की गर्माहट का मौसम गया नहीं होता और पूरी तरह से सर्दियां आई नहीं होतीं, इस दौरान इन्हें पहनना सबसे सही लगता है। क्योंकि ऐसे मौसम में जब हल्की ठंड पड़ रही हो, ये बिल्कुल परफेक्ट च्वॉइस होती हैं। इन्हें अंदर टी-शर्ट के रूप में भी पहना जा सकता है। कई बार खुले या बंद दोनों तरीकों से इन शर्ट-जैकेट्स को कैरी किया जा सकता है।

युवाओं को क्यों हैं इतनी पसंद: शर्ट-जैकेट्स युवाओं को बेहद पसंद आती हैं। वास्तव में इन दिनों कपड़ों में लेयरिंग ट्रेंड में है यानी, कई परतों में ड्रेस पहनकर अलग-अलग लुक बनाना। शर्ट-जैकेट्स इस लेयरिंग फिनोमिना की स्टार आइटम है। इसे आराम और स्टाइल के साझे कॉम्बिनेशन के रूप में भी देखा और जाना जाता है। यह न तो पूरी तरह से फॉर्मल है और न ही पूरी तरह से कैजुअल बल्कि इसके लिए जो शब्द ज्यादा प्रचलित है, वह है-स्मार्ट कैजुअल। इसलिए ये युवाओं को विशेष रूप से पसंद आती हैं, क्योंकि उनकी बॉडी में ये एक परफेक्ट बैलेंस बनाती हैं। लेकिन इसकी पॉपुलैरिटी की वजह सिर्फ यही नहीं है, इसे पॉपुलर बनाने में सोशल मीडिया का भी बड़ा हाथ है। वास्तव में इंस्टाग्राम, पिंट्रेस्ट और यू-ट्यूब पर फैशन इंफ्लुएंसर लगातार इन्हें प्रमोट कर रहे हैं, जिससे युवाओं में इनकी डिमांड काफी बढ़ गई है। सबसे बड़ी बात यह है कि ये शर्ट-जैकेट्स, युवक ही नहीं युवतियों के बीच भी खूब लोकप्रिय हैं, क्योंकि इन्हें दोनों ही बड़े आराम से पहन सकते हैं। ये दोनों की बॉडी पर खूब फबती हैं। शर्ट-जैकेट्स पहनने का एक फायदा यह भी है कि इसके कारण बहुत कम कपड़ों पर भी एक कंप्लीट आउटफिट तैयार हो जाता है। बस एक बेसिक टी-शर्ट, डेनिम और ये शर्ट जैकेट्स, बस समझिए पूरा आउटफिट तैयार हो गया।

इस साल है इसका ट्रेंड: इन दिनों यह फैशन या ट्रेंडिंग स्टाइल में इसलिए है, क्योंकि इस साल पुरुषों द्वारा डेनिम और फ्लैनल चेक्ड शर्ट-जैकेट्स को खासतौर पर पसंद किया जा रहा है। अपने नए लुक, स्मार्ट डिजाइन और कलर कॉम्बिनेशन के कारण ये यंगस्टर्स की पहली पसंद बनी हुई हैं तो लड़कियों में भी कुछ खास कलर्स की शर्ट-जैकेट्स इस साल खूब फैशन में हैं, जिनमें पेस्टल टोन कलर सबसे खास है। साथ ही लड़कियों में इनका ओवरसाइज्ड डिजाइन भी खूब हिट है। चूंकि यह एक यूनिसेक्स फैशन है, इसलिए शर्ट-जैकेट्स को खूब सारे न्यूट्रल कलर्स में भी देखा जाता है जैसे- बेज, ऑलिव, ब्लश पिंक और ग्रे।

कुल मिलाकर शर्ट-जैकेट्स इन दिनों युवाओं के बीच इसलिए भी खूब फैशन में हैं, क्योंकि ये सिर्फ एक ड्रेस भर नहीं हैं बल्कि लाइफस्टाइल का सिंबल बन गए हैं। कम लेयरिंग, ज्यादा स्टाइल और हर मौके पर फिट रहने वाली शर्ट-जैकेट्स आज यंगस्टर्स के बीच पहली पसंद बनी हुई हैं। जहां तक इसके स्टाइल कॉम्बिनेशन की बात है तो शर्ट-जैकेट्स में स्टाइलिश लुक के लिए इसे बेसिक टी-शर्ट या टर्टलनेक के ऊपर पहनते हैं। साथ ही लोअर में डेनिम, चिनो या स्कर्ट पर भी यह बहुत आसानी से मैच कर जाती है। स्कार्फ या कैप के साथ भी इसे कैरी करना अटपटा नहीं बल्कि आकर्षक लगता है। जहां तक फुटवियर्स की बात है तो स्नीकर्स या लोफर इसके साथ अच्छे लगते हैं। k

जिस दौर में कई सुपर स्टार्स बॉलीवुड में एक्टिव थे, उस समय में भी संजीव कुमार ने अपने एक्टिंग टैलेंट से अलग पहचान बनाई। संजीव कुमार की पुण्य तिथि 6 नवंबर पर उनके द्वारा निभाए कुछ यादगार किरदारों पर एक नजर।

हर रोल निभाने में परफेक्ट वर्सटाइल एक्टर संजीव कुमार

यादें
मनोज प्रकाश

सुपर स्टार का ग्लैमर, हिट कराने का तमगा और स्लिम-ट्रिम फिगर अगर किसी हीरो की इमेज को एक डेकोरम देता है, तो किसी भी भूमिका को परफेक्ट तरीके से करना भी किसी फिल्म को हिट कराने की गारंटी हो सकती है। यह बात सिद्ध की थी संजीव कुमार ने। वह एक ऐसे कलाकार थे, जिनके बारे में कहा जाता था कि वे कोई रोल निभाते नहीं, उसे पूरी तरह जीते थे। जिस तरह हिंदी फिल्म इंडस्ट्रीज में दिलीप कुमार, अमिताभ बच्चन, धर्मेंद्र, राजेश खन्ना, देवानंद, राजकपूर को बेहतरीन अभिनेता माना जाता है, उसी श्रेणी में संजीव कुमार का नाम भी बड़े सम्मान से लिया जाता है।

'आंधी' में सुचित्रा सेन के साथ संजीव कुमार

हर तरह की भूमिकाएं निभाई : 9 जुलाई 1938 को गुजरात प्रांत में जन्मे, संजीव कुमार ने जितनी भी फिल्में की सभी में उनके डायलॉग से अधिक उनकी आंखें और मुस्कुराहट ने अभिनय किया। संजीव कुमार हिंदी फिल्मों के ऐसे अभिनेता थे, जिन्होंने हर तरह की भूमिकाएं कीं। यहां तक कि उन्होंने एक ही फिल्म में एक साथ नौ भूमिकाएं निभाकर एक ऐसा कमाल किया, जो 'भूतो न भविष्यति' है। उनके किरदार ऐसे हुआ करते थे, जिन्हें भुला पाना संभव ही नहीं है। 'शोले' और 'आंधी' उनकी दो ऐसी फिल्में रहीं, जिनको भारतीय सिनेमा में मील का पत्थर माना जाता है।

'शोले' में ठाकुर का यादगार किरदार: 'शोले' में संजीव कुमार ने पहले जेलर और फिर ठाकुर बलदेव सिंह का रोल बखूबी निभाया। पूरे परिवार को डकैत गब्बर सिंह द्वारा खत्म कर दिए जाने और उनके दोनों हाथ काट दिए जाने के बाद भी ठाकुर बलदेव सिंह ने जिस तरह से अपना प्रतिशोध लिया, उसने आने वाली फिल्मों के लिए एक मानक बना दिया।

हर किरदार में अलग रंग: फिल्म 'आंधी' में संजीव कुमार के द्वारा निभाए गए होटल मैनेजर जेके का रोल आज भी दर्शक याद करते हैं। उस फिल्म में उन्होंने एक बेबस पति लेकिन समर्पित प्रेमी के रोल में अभिनय की पराकाष्ठा को छुआ था। जहां तक उनके अभिनय में मौजूद वर्सटिलिटी की बात है तो 'खिलौना' में विजय, 'अनामिका' में देवेंद्र, 'सच्चाई' में किशोर, 'बचपन' में काशीराम, 'नमकीन' में गेरूलाल, 'राजा और रंक' में विजय और सुधीर, 'कोशिश' में हरिचरण, 'अंगूर' में अशोक और 'वक्त की दीवार' में विक्रम के किरदार ऐसे हैं, जिनसे उनकी प्रतिभा का लोहा सभी ने माना। 'उलझन' में उन्होंने सुलक्षणा पंडित के साथ एक ईमानदार अफसर और पति के रूप में फंसे व्यक्ति के द्वंद्व को बेहतरीन तरीके से निभाया। फिल्म 'नया दिन नई रात' में नौ किरदार निभाना और सभी को उसकी धारा में बहाते ले जाना, संजीव कुमार के बस की ही बात थी। उनसे पहले और उनके बाद आज तक किसी ने नौ रोल नहीं निभाए हैं।

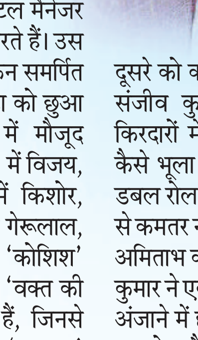

ये भी रहे यादगार किरदार: संजीव कुमार को फिल्म 'दस्तक' के लिए हामिद का गंभीर किरदार निभाने हेतु राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया गया था। इसके उलट 'पति, पत्नी और वो' में तो उन्होंने हंसा-हंसाकर लोगों को लोटपोट कर दिया था। पत्नी की बीमारी की आड़ में सेकेट्री से प्रेम राग आलापना और पत्नी को समझाना, उस दौर में एक ऐसी कहावत बन गया था कि लोग रियल लाइफ में ऐसे किसी मामले में आपस में एक-दूसरे को कह देते थे-संजीव कुमार बन रहे हो? संजीव कुमार के द्वारा निभाए गए यादगार किरदारों में 'मौसम' के डॉक्टर अमरनाथ को कैसे भूला जा सकता है? इस फिल्म में उनका डबल रोल, शर्मिला टैगोर के रोल से किसी तरह से कमतर नहीं रहा। इसी तरह फिल्म 'त्रिशूल' तो अमिताभ की कही जाती है, लेकिन इसमें संजीव कुमार ने एक ऐसे व्यापारी का रोल प्ले किया, जो अंजाने में ही अपने बेटे से व्यापारिक संघर्ष कर रहा होता है और उसे पता ही नहीं चलता। इसमें पिता-पुत्र के संवाद, दो प्रतिद्वंद्वी व्यापारियों की उस लड़ाई का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिसमें वे अपनी जीत के लिए किसी भी स्तर तक जा सकते हैं।

'त्रिशूल' में अमिताभ के पिता के किरदार में संजीव कुमार

उन पर फिल्माए गाने भी हुए हिट: संजीव कुमार पर फिल्माए गाने भी सुपरहिट रहे। 'अनोखी रात' का गीत 'ओह रे ताल मिले नदी के जल में, नदी मिले सागर में', 'खिलौना' का 'खिलौना जानकर तुम तो', 'सीता और गीता' का 'हवा के साथ-साथ, घटा के संग-संग', 'अनामिका' का 'मेरी भीगी-भीगी सी पलकों पे', 'आंधी' का 'तुम आ गए हो, नूर आ गया है', 'मौसम' का 'दिल ढूंढता है फिर वहीं फुर्सत के रात-दिन' और 'सिलसिला' का 'रंग बरसे', हर दौर के हिट गानों की श्रेणी में गिने जाते हैं।

अधूरी रही प्रेम की दास्तान: संजीव कुमार ने जिस तरह से फिल्मों में अपना परचम लहराया, उसी तरह से उनके प्रेम के चर्चे भी खूब सुने जाते रहे। हेमा मालिनी के साथ के किस्से तो सर्वाधिक चर्चित रहे ही हैं। सुलक्षणा पंडित के साथ भी उनकी जोड़ी चर्चित रही पर वह भी अपने मुकाम पर पहुंचने से रह गई। खुद के बारे में की गई अपनी ही भविष्यवाणी को सच साबित करते हुए जीवन के पचास बसंत पूर्ण करने से पहले ही 6 नवंबर 1985 को अनंत आकाश में हमेशा-हमेशा के लिए विलीन हो गए। k